bjpkamaljyoti@gmail.com संवत 2078 युगाब्द 5123 मूल्य : ₹10 कुल पृष्ठ – 32 अंक – 11

वर्तमान

कमल ज्योति

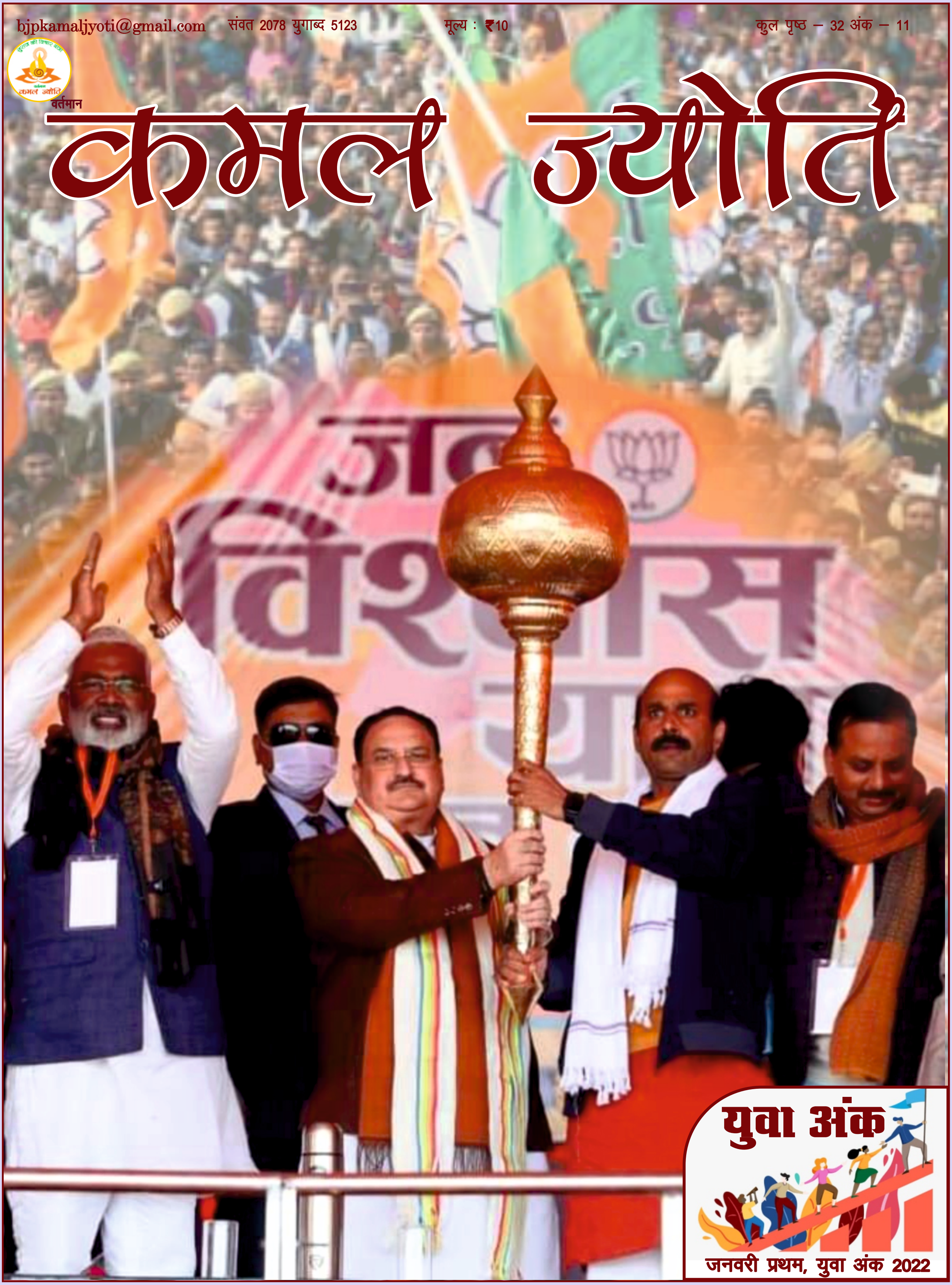

युवा अंक

जनवरी प्रथम, युवा अंक 2022

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नए विकास युग की शुरुआत हुई है। लखनऊ में कानपुर- लखनऊ एक्सप्रेसवे समेत कई महत्वपूर्ण इंफ्रा परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इन परियोजनाओं से न केवल लखनऊ बल्कि समूचे उत्तर प्रदेश में विकास की गति में तेज़ी आएगी।लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे को केवल एक एक्सप्रेसवे की तरह नही देखा जाना चाहिए बल्कि यह एक **'Economic Corridor'** के रूप में उभर कर सामने आएगा। यह एक्सप्रेसवे यू.पी. डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ और कानपुर रोड को 'हाई स्पीड कनेक्टीविटी' देगा और इस करिडोर की 'बैकबोन'का भी काम करेगा।

वर्तमान
कमल ज्योति

संरक्षक
श्री स्वतंत्र देव सिंह
सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी
प्रबन्ध सम्पादक
राजकुमार
प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह
पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय

कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक

नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र,
राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

संपादकीय

आओ! साथ चलें-साथ बढ़े, आसमां को मुठ्ठी में सजा लें... हम

पांच साल उत्तर प्रदेश में धीर-गंभीर-ईमानदार और दमदार भाजपा सरकार ने नया इतिहास रचा। पग-पग पर विकास की इबारत लिखी तो रग-रग में जोश और जुनून दिखा। 2017 के चुनाव में अभूतपूर्व विजयश्री प्राप्त करने के प्रथम दिन से योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने लोकमंगल की साधना औ्र लोकहित की प्रेरणा के साथ कार्य आरंभ किया। महिला, किसान और युवा सरकार की लोकसाधना के अंग बनें। सरकार ने किसानों को प्रदेश का भाग्यविधाता बनाने का कार्य आरंभ किया तो महिलाओं और प्रदेश के युवाओं को उद्यमशील बनाने के लिये हर संभव कोशिशें आरंभ की थी। पांच वर्ष के इस कार्यकाल में सरकार ने जो कूछ भी बोया उसने प्रदेश की तकदीर का घना बट्वृक्ष बनाकर सिंचित किया है। इसलिये आज मैं कहता हूं कि.. 2022 का चुनाव प्रदेश की तकदीर लिखेगा।

विपक्षी दलों सपा और बसपा एवं इसके पूर्व कांग्रेस की सरकारों ने 2017 से पहले प्रदेश की पहचान को नष्ट कर दिया था। लेकिन भाजपा सरकार ने इन पांच वर्षों में न केवल प्रदेश को उसकी खोई पहचान वापस दिलाई, बल्कि गौरव व सम्मान भी दिलाया है। आज उत्तर प्रदेश का युवा जहां भी जाता है इस प्रदेश का गौरव उसके साथ होता है और उसका कद बढ़ा देता है। कभी एक समय ऐसा भी था जब प्रदेश में भाई-भतीजावाद के साथ नौकरियां बांटी जाती थी लेकिन 2017 के बाद भाजपा सरकार ने सरकारी नौकरियों में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को जड़ से समाप्त कर दिया। प्रदेश के नौकरशाहों की अडंगेबाजी के बाद भी सरकार के सभी विभागों में बेतहाशा नौकरियां निकली और पिछले पाचं सालों में 4 लाख 75 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों में बिना किसी भेदभाव के नियुक्तियां मिली। युवाओं के दिलों का स्पंदन भाजपा सरकार ने समझा था और उसके अनुरूप कार्य करके प्रदेश की युवाशक्ति को समाहित करने और संयोजित करने का कार्य किया है।

आज युवाओ कों प्रदेश की तकदीर और तस्वीर को बदलने की ताकत मिली है। 2017 से पहले प्रदेश में युवाओं को जन्माष्टमी, होली मनाने और दीपावली पर आतिशबाजी करने से रोका जाता था पर वर्ग विशेष के त्योहारों पर सरकारी दफ्तरों में रेड कार्पेट बिछाया जाता था। अब प्रदेश में हालात बदल गये हैं। युवा वर्ग को सरकार ने पूरी तातक दे दी है।

यह वह प्रदेश रहा है जहां पश्चिमी यूपी के दर्जन भर कस्बों में पलायन चरम पर था। अब वहां बहुसंख्यक समाज लौट आया है। वहां 50 साल पहले जितनी आबादी थी, उतनी हो गई है। साढ़े चार साल में प्रदेश में एक भी किसान आंदोलन नहीं हुआ है। जबकि पहले भट्ठा परसोल में किसानों पर गोलियां चलाई जाती थीं। बस्ती के मुंडेरवा में चीनी मिल चलाने पर किसानों की हत्या की जाती थी।

पिछले साढ़े चार साल में एक्सप्रेस-वे व एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण के कार्य हुए लेकिन कहीं विरोध नहीं हुआ। 42 लाख परिवारों को आवास सपा शासन में भी मिल सकता था लेकिन सपा बसपा कोग्रेस ने केवल परिवार की चिंता की, जनता की चिंता नहीं की। भाजपा सरकार में आवास मिलने से उन परिवारों को समझ आ गया है कि विपक्षी दलों ने लोगों का शोषण और अत्याचार किया।

आज प्रदेश में युवाओं के बीच बहस का मुद्दा है कि भाजपा सरकार ने किस तरह से इतने युवाओं को नौकरी दी लेकिन विपक्ष की सरकारें नहीं दे सकी। केवल सरकारी क्षेत्र ही नहीं बल्कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में निजी क्षेत्र में भी 1.61 करोड़ युवाओं को रोजगार मिला है।

प्रदेश का युवा अपनी सोच और विचार में योगी जी को चिरयुवा ही मानता है। सोच और आयु दोनों में वे ज्यादा युवा हैं। आज जब प्रदेश का आर्थिक विकास हो रहा है तो इससे देश का विकास हो रहा है। प्रदेश का युवा समझता है कि आज उसकी पहचार योगी सरकार है। पूरे विश्व में जहां भी वह जाता है उत्तर प्रदेश सरकार के कार्यों का डंका बजता है तब उसका आत्मबल बढ़ जाता है। प्रदेश की युवाशक्ति को ज्ञात है कि जब यूपी आत्मनिर्भर होगा, तभी भारत भी आतमनिर्भर बनेगा। यूपी का विधानसभा चुनाव पूरे देश पर असर डालेगा। इस सच को जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी आज इन्हीं युवाओं पर है। हाथी थक चुका है और साइकिल पंक्चर है। इसलिए इस बार हर तरफ युवाओं का कमल ही कमल खिलेगा।

प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से अपग्रेड करने के लिए इतनी बड़ी पहल की है जितनी पूरे विश्व में किसी सरकार ने एक साथ नहीं किया। आदित्यनाथ सरकार की एक करोड़ युवाओं को फ्री स्मार्टफोन और टैबलेट देने की योजना महज योजना नहीं है, बल्कि इसके जरिये युवाओं के जीवन में तरक्की की नई उड़ान शुरू हो रही

है। स्मार्टफोन और टैबलेट के जरिए युवाओं को सिर्फ पढ़ाई के लिए कंटेंट ही नहीं मिलेगा, बल्कि रोजगार से संबंधित जानकारियां भी मिलेंगी।

प्रदेश की भाजपा सरकार युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिये यहीं पर नहीं रुकी बल्कि डिजि शक्ति पोर्टल और डिजि शक्ति अध्ययन ऐप को लाकर उनका उन्नयन किया। ऐप के इंस्टाल होने से संबंधित यूनिवर्सिटी या डिपार्टमेंट छात्रों को पढ़ाई के लिए कंटेंट देने में सक्षम हो गये है। शासन की ओर से बूट लोगो और वाल पेपर के माध्यम से रोजगारपरक योजनाओं आदि की भी जानकारी युवाओं को एक क्लिक में मिलेगी। इंफोसिस के शिक्षा और रोजगार से जुड़े 3900 प्रोग्राम निःशुल्क युवाओं को उपलब्ध होंगे। इतनी बड़ी सोच और स्पष्टता के साथ किस सरकार ने कार्य किया है। यह योजना सिर्फ निःशुल्क स्मार्टफोन और टैबलेट वितरण की नहीं है। यह योजना का आरंभ है। स्मार्टफोन और टैबलेट के जरिए युवाओं को पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के लिए बेहतरीन कंटेंट उपलब्ध कराया जाएगा। इसके माध्यम से वह स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

सरकार यही पर नहीं रुकी है। भाजपा सरकार ने युवाओं को पढ़ाई से लेकर वजीफा, प्रतियोगी परीक्षा, नौकरी और रोजगार दिलाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया है। इस कारण पौने पांच साल में लगभग 5 करोड़ युवाओं को रोजगार के अवसर और साढ़े चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। यूपी का युवा अब नौकरी के पीछे भागना वाला नहीं,जवाब देने वाला बन रहा। बीते साल कोरोना की पहली लहर के दौरान हमारे सामने 40 लाख प्रवासी श्रमिकों के जीवन और जीविका को सुरक्षित करने की चुनौती थी। एमएसएमई इकाइयों ने इस दिशा में सराहनीय कार्य किया।

आज प्रदेश में युवा वर्ग नौकरी के पीछे भागने की बजाय नौकरी देने की सोच के साथ अपने लक्ष्य तय कर रहा है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद-एक उत्पाद जैसी योजनाओं ने युवाओं को बड़ा सहारा दिया है। स्वरोजगार के कार्यक्रमों में महिलाओं-बेटियों ने खूब उत्साह दिखाया है। वैसे भी, लखनऊ की चिकनकारी जैसे परंपरागत शिल्प को महिलाओं की भूमिका हमेशा से ही रही है। प्रधानमंत्री जी ने जिस आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना की है, युवाओं की यही सोच, ऐसे प्रयास ही उसका आधार हैं। गाजियाबाद, मैनपुरी, मऊ, मीरजापुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, आगरा, मुरादाबाद और भदोही में प्रस्तावित क०मन फैसिलिटी सेंटर का शिलान्यास किया गया है। इन केंद्रों पर उद्यमियों को ओडीओपी योजनांतर्गत जनपद के चिन्हित उत्पादों के उत्पादन से लेकर विपणन तक के समस्त अवयवों जैसे कच्चा माल, डिजाइन, उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता सुधार, अनुसंधान एवं विकास, पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण तथा पैकेजिंग आदि की सुविधाएं मिल सकेंगी।

82 लाख एमएसएमईज को 2,160 करोड़ रुपये का ऋण मिला है जिससे लगभग 2 करोड़ लोगों को रोजगार मिला। 4.75 लाख सरकारी पदों पर बेदाग भर्ती हुई है। कोरोना कालखंड में दूसरे राज्यों से आए 40 लाख से अधिक श्रमिकों को रोजगार से जोड़ा गया है। मनरेगा में 1.5 करोड़ श्रमिकों को 101 करोड़ से अधिक मानव दिवस का रोजगार दिया गया है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत प्रतियोगी अभ्यर्थियों को परीक्षा की तैयार के लिए निःशुल्क कोचिंग सुविधा मिली है। उत्तर प्रदेश में 3 नए राज्य विश्वविद्यालय सहारनुपर, अलीगढ़ एवं आजहमगढ़ की स्थापना की गई है। युवाओं की खेल की गतिविधियों से जोड़कर मेरठ में खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। प्रदेश की भाजपा सरकार ने194 राजकीय माध्यमिक विद्यालय और 51राजकीय महाविद्यालय की स्थापना की है। प्रदेश में28 इंजीनियरिंग क०लेज, 26 पॉलीटेक्निक कॉलेज, 79 आईटीआई, 284 इंटर कॉलेज, 771कस्तूरबा विद्यालयों को स्थापित किया गया है।1.35 लाख से अधिक सरकारी स्कूलों का कायाकल्प इसी सरकार ने किया है। प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को निःशुल्क ड्रेस, जूते मोजे, स्कूल बैग और पुस्तकों का वितरण किया गया है। बालिकाओं के लिए स्नातक तक निःशुल्क शिक्षा इसी सरकार में किया गया है। 1.78 करोड़ से अधिक छात्र छात्राओं को 13,600 करोड़ से अधिक की दशमोत्तर छात्रवृत्ति भाजपा सरकार में दी गई है।

भविष्य में जब भी इतिहास निरपेक्ष भाव से राजनीति के भूगोल को पढ़ेगा, तो उसे उत्तर प्रदेश में बुनियादी बदलाव की असंख्य प्रयोगशालाएं मिलेंगी। जो बीत रहे पांच सालों में प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने रेतीले पथ पर चलकर विकास के जल से सींच कर खडा किया है। बीते 5 सालों में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने इस प्रदेश की राजनीति को सजाया, संवारा, मांजा, बांटा और उसे नई-नई दिशा दी। देश की आजादी के आंदोलन का नेतृत्व कांग्रेस के 'पूर्ण स्वराज'के नारे के साथ भले ही हुआ हो लेकिन आजादी के 75वें सालगिरह पर अमृत माहोत्सव के दौरान भाजपा सरकार पूरे प्राण पण से उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर बढाया है। सात दशक की भारतीय राजनीति की सभी धाराओं की गंगोत्री यही राज्य है। चाहे वह जाति का गणित हो या बहुसंख्यक ताकत, समाजवादी उछाह हो या राजनीति में परिवारों का प्रभुत्व। भारतीय राजनीति की सारी करवट उत्तर प्रदेश की छाया में है। इस परिवारवाद की करवट को भाजपा की सरकार तोड चुकी है जिसको पूरा विश्व 2022 के चुनावों देखेगा।

akatri.t@gmail.com

डेमोग्राफी-डेमोक्रेसी भारत की असीम ताकत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुडुचेरी में 25 वें युवा महोत्सव का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन किया। विवेकानंद जयंती पर आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ करते हुए मोदी ने कहा, 'भारत के पास दो असीम ताकत हैं, एक डेमोग्राफी व दूसरी डेमोक्रेसी। जिस देश के पास जितनी युवा शक्ति होती है, उसकी क्षमताओं को उतना ही व्यापक माना जाता है। भारत के पास ये दोनों ताकत है। उन्होंने कहा कि न्यू इंडिया का मंत्र है 'मुकाबला करो और जीतो।'
पीएम ने कहा कि आज भारत के युवा में अगर टेक्नालॉजी का चार्म है, तो लोकतंत्र की चेतना भी है। आज भारत के युवा में अगर श्रम का सामर्थ्य है, तो भविष्य की स्पष्टता भी है, इसीलिए, भारत आज जो कहता है, दुनिया उसे आने वाले कल की आवाज़ मानती है। भारत अपने युवाओं को विकास के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों की ताकत मानता है। आज भारत व दुनिया के भविष्य का निर्माण हो रहा है। 2022 भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ये नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती भी है।

युवा महोत्सव

भारत का युवा वैश्विक समृद्धि के कोड लिख रहा है। पूरी दुनिया के यूनिकॉर्न इकोसिस्टम में भारतीय युवाओं का जलवा है। भारत के पास आज 50 हजार से अधिक स्टार्टअप्स का मजबूत इकोसिस्टम है। पीएम ने कहा, 'भारत के युवाओं के पास डेमोग्राफिक डिविडेंड के साथ साथ लोकतांत्रिक मूल्य भी हैं, उनका डेमोक्रेटिक डिविडेंड भी अतुलनीय है। भारत अपने युवाओं को डेमोग्राफिक डिविडेंड के साथ साथ डेवलपमेंट का ड्राइवर भी मानता है।'

महर्षि अरबिंदो व सुब्रमण्यम भारती, साहित्यिक आध्यामिक यात्रा पथिक

हम इसी वर्ष श्री अरबिंदो की 150 वीं जयंती मना रहे हैं और इस साल महाकवि सुब्रमण्य भारती जी की भी 100वीं पुण्य तिथि है। इन दोनों मनीषियों का पुडुचेरी से खास रिस्ता रहा है। ये दोनों एक दूसरे की साहित्यिक और आध्यात्मिक यात्रा के साझीदार रहे हैं।

बेटे–बेटी एक समान

पीएम ने कहा कि हम मानते हैं कि बेटे–बेटी एक समान हैं। इसी सोच के साथ सरकार ने बेटियों की बेहतरी के लिए शादी की उम्र को 21 साल करने का निर्णय लिया है। बेटियां अपना करियर बना पाएं, उन्हें ज्यादा समय मिले, इस दिशा में ये एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है।
मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, 'मैं महान स्वामी विवेकानंद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनका जीवन राष्ट्रीय उत्थान के लिए समर्पित था। उन्होंने कई युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया है। आइये हम देश के लिए उनके सपनों को पूरा करने के लिए मिलकर काम करते रहें।
युवा महोत्सव में भारत के हर जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा भाग लेंगे, राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्देश्य युवा नागरिकों को राष्ट्र–निर्माण की दिशा में प्रेरित करना, प्रज्वलित करना, एकजुट करना और सक्रिय करना है, ताकि हमारे जनसांख्यिकीय ताकत की वास्तविक क्षमता को उजागर किया जा सके।
स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था। स्वामी विवेकानंद का असली नाम नरेंद्रनाथ दत्त था। वह वेदांत के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु थे। छोटी उम्र से ही उन्हें अध्यात्म में रुचि हो गई थी। पढ़ाई में अच्छे होने के बावजूद जब वह 25 साल के हुए तो अपने गुरु से प्रभावित होकर नरेंद्रनाथ ने सांसारिक मोह माया त्याग दी और संन्यासी बन गए। संन्यास लेने के बाद उनका नाम विवेकानंद पड़ा। 1881 में विवेकानंद की मुलाकात रामकृष्ण परमहंस से हुई।
प्रधानमंत्री ने युवाओं को विकास का वाहक एवं युवाओं में विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा और विजय

पिछली सरकार में यहां अपराधी खेलते थे खेल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने खेल विवि के रूप में नए साल का शानदार उपहार भेंट किया। सरधना के सलावा में उन्होंने प्रदेश के पहले खेल विवि का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में यहां अपराधी अपना खेल खेलते थे, अवैध कब्जे का टूर्नामेंट होता था। अब योगीजी अपराधियों के साथ जेल का खेल खेल रहे हैं। पिछली सरकारों में लोगों के घर जलाए जाते थे, बेटियों पर फब्तियां कसने वाले खुलेआम घूमते थे। लोग पलायन को मजबूर थे। योगी सरकार में मेरठ की बेटियां पूरे देश में अपना नाम रोशन कर रही हैं। सोतगंज में गाड़ियों के साथ होने वाले खेल का भी द एंड हो रहा है। उन्होंने बिना नाम लिए मुलायम सिंह के बयान पर भी चुटकी लेते हुए कहा कि सरकार की भूमिका अभिवावक की होती है, योग्यता होने पर बढ़ावा दें और गलती होने पर यह कह कर न टाल दें कि लड़कों से गलती हो जाती है।

नववर्ष की बधाई

नववर्ष की बधाई के साथ उन्होंने कहा कि महाभारत काल से लेकर जैन तीर्थंकरों और पंच पांडवों ने देश की आस्था को उर्जावान किया है। बाबा औघड़नाथ मंदिर से आजादी की ललकार उठी और दिल्ली कूच किया। आज उन्हीं की याद में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। यहां आने से पहले मुझे औघड़नाथ मंदिर जाने का अवसर मिला। शहीद स्मारक के स्वतंत्रता संग्राम संग्रालय में उस अनुभूति को महसूस किया।

मेरठ से अब हर साल 1000 से अधिक बेटे–बेटियां खिलाड़ी बनकर निकलेंगी। क्रांतिवीरों की नगरी खेल नगरी बनेगी। पहले की सरकारों में यूपी में अपराधी अपना खेल खेलते थे। पहले यहां अवैध कब्जे के टूर्नामेंट होते थे। बेटियों पर फब्तियां कसने वाले खुलेआम घूमते थे। पहले की सरकार अपने खेल में लगी रहती थी। हमारे मेरठ और आसपास के क्षेत्रों के लोग कभी भूल नहीं सकते कि लोगों के घर जला दिए जाते थे और पहले की सरकार अपने खेल में लगी रहती थी। पहले की सरकारों के खेल का ही नतीजा था कि लोग अपना पुश्तैनी घर छोड़कर पलायन के लिए मजबूर हो गए थे। अब योगी की सरकार ऐसे अपराधियों के साथ जेल–जेल खेल रही है।

युवा भारत के कर्णधार

युवाओं को साधते हुए कहा कि युवा नए भारत का कर्णधार भी है, विस्तार भी। युवा नए भारत का नियंता भी है, नेतृत्वकर्ता भी है। हमारे आज के युवाओं के पास प्राचीनता की विरासत भी है, आधुनिकता का बोध भी है। जिधर युवा चलेगा उधर भारत चलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि खिलाड़ियों के सामर्थ्य को बढ़ाने के लिए सरकार ने चार शस्त्र दिए हैं। संसाधन, ट्रेनिंग की सुविधा, अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर, चयन में परदर्शिता। पहले की सरकारों ने इसे महत्व नहीं दिया, उनकी नीतियों के कारण गुलामी के समय भी मेडल जीने वाली हॉकी में भी मेडल का इंतजार करना पड़ा। युवाओं में खेल को लेकर विश्वास पैदा हो, खेल को प्रोफेशनल बनाने का हौसला बढ़े। यही मेरा संकल्प और सपना है।

पहले जो सत्ता में थे उन्होंने गन्ना का भुगतान रोक–रोक देते थे। योगी सरकार में गन्ने का बकाया भुगतान जितना हुआ है, उतना कभी नहीं हुआ। चीनी मिले कौड़ियों के भाव बेची जाती थीं। उन्होंने जनता से हामी भरवाई कि चीनी मिले बंद हुई या नहीं भ्रष्टाचार हुआ या नहीं। अब चीनी मिले खोली जाती हैं। अब यूपी एथनॉल के उत्पादन में भी अव्वल बन रहा है। 12 हजार करोड़ रुपये का एथनॉल अकेले यूपी से खरीदा गया है।

देश के प्रथम खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास

700 करोड़ की लागत से बनेगा खेल विवि। मेरठ, देश की एक और महान संतान मेजर ध्या नचंद की कर्मस्थुली भी रहा है। इसके लिए मेरठ की स्पोरट्स यूनिवर्सिटी मेजर ध्याानचंद जी को समर्पित की जा रही है। इसका निर्माण 700 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। यहां 540 पुरुष और 540 महिला यानी कुल 1,080 खिलाड़ी एक साथ ट्रेनिंग ले सकेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस यूनिवर्सिटी से हर साल 1000 विद्यार्थी ग्रेजुएट होकर निकलेंगे। आउटडोर गेम्स के लिए लगभग 30 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। देश प्रदेश समग्र विकास, बदलाव की कहानी लिख रहा है।

हमारी पहचान सुशासन हैः जगत प्रकाश

साधक राजकुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी पहली बार एक साथ छः क्षेत्रों से छः यात्राऐं निकाली गयी। प्रदेश की 403 विधान सभाओं में ये यात्राएं देश प्रदेश के नेताओं के नेतृत्व में पहुंची जनता का अभूतपूर्व समर्थन विश्वास मिला जिसका समापन यह तय कर दिया कि भाजपा नेतृत्व पर जनता का विश्वास हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने बस्ती के सक्सेरिया इंटर कॉलेज मैदान और लखनऊ के आईआईएम रोड, दुबग्गा (काकोरी) में पार्टी की जन–विश्वास यात्रा के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित विशाल जन–सभाओं को संबोधित किया और जनता से अराजकता, भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी की प्रतीक सपा, बसपा और कांग्रेस को करारा सबक सिखाते हुए एक बार पुनः भारी बहुमत से भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार बनाने का आह्वान किया। 19 दिसंबर से प्रदेश के सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी की जन–विश्वास यात्रा शुरू हुई थी। गोरखपुर क्षेत्र की जन–विश्वास यात्रा बलिया से शुरू हुई थी जो आज 62 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरने के बाद बस्ती में पूरी हुई और अंबेडकरनगर से शुरू हुई अवध क्षेत्र की जन–विश्वास यात्रा अयोध्या, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी से होते हुए आज दुबग्गा (काकोरी), लखनऊ में पूरी हुई। बस्ती के कार्यक्रम में माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह, सांसद श्री शिव प्रताप शुक्ला, सांसद श्री हरीश द्विवेदी, सांसद श्री जय प्रकाश निषाद, वरिष्ठ नेता एवं सांसद श्री जगदंबिका पाल, श्री अरविंद मेनन, क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। दुबग्गा, लखनऊ की रैली में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह के साथ केंद्रीय मंत्री श्री कौशल किशोर, श्री अशोक टंडन, श्री ब्रजेश पाठक, श्रीमती स्वाति सिंह, श्रीमती रेखा वर्मा, सांसद श्री उपेंद्र रावत, श्री संजय सेठ, श्री मोहसिन रजा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जनविश्वास यात्रा समापन

विशाल जन–सभा को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जो कहा है, वह किया है और जो कह रहे हैं, वह भी करके दिखाएँगे क्योंकि यह केवल और केवल भाजपा है जो कहती है, वह कर के दिखाती है। इसलिए हम पूरे जोश और उत्साह के साथ जन–विश्वास यात्रा लेकर निकले हैं। ऐसी यात्रा निकालने की ताकत न अखिलेश यादव में है न बहन मायावती में और न ही कांग्रेस में क्योंकि उनके पास जनता को बताने के लिए कुछ भी नहीं है। यही भारतीय जनता पार्टी और अन्य विपक्षी पार्टियों की कार्यसंस्कृति में

अंतर है। उन्होंने कहा कि जन–विश्वास यात्रा ने तय कर दिया है कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी एक बार पुनः प्रचंड एवं ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रही है। इस बार फिर भाजपा 300 पार।

सपा, बसपा और कांग्रेस पर बरसते हुए माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने लोगों को जोड़ा है जबकि विपक्ष ने लोगों को तोड़ा है, उन्हें बांटा है। जिन्होंने हमारा समर्थन नहीं भी किया, उन तक भी हमने समान रूप से विकास का लाभ पहुंचाया है। उन्हें भी आयुष्मान भारत का लाभ मिला है, उज्ज्वला योजना का फायदा पहुंचा है और किसान सम्मान निधि की सहायता मिली है। सपा ने धर्म और जाति के नाम पर लोगों को बांटने की राजनीति नहीं की तो ऐसे मौसम में जिन्ना को याद करने की जरूरत क्यों आन पड़ी? जिन्होंने देश का विभाजन किया, उनके नाम पर वोट माँगना – यही तो है अखिलेश यादव की राजनीति। सपा, बसपा और कांग्रेस ने सिर्फ और सिर्फ अपने परिवार का ही स्वार्थ सिद्ध किया, हमने सर्वांगीण विकास किया। आजकल अखिलेश यादव लगातार झूठे वायदे कर रहे हैं लेकिन हमें यह मालूम होना चाहिए कि उनका अतीत क्या है। जब वे मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने क्या किया क्योंकि किसी का अतीत ही तय करता है कि वह भविष्य में क्या करेगा?

> जन–विश्वास यात्रा ने तय कर दिया है कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी एक बार पुनः प्रचंड एवं ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रही है। इस बार फिर भाजपा 300 पार।
> **********
> सपा की पहचान है कुशासन और हमारी पहचान है सुशासन। पहले भ्रष्टाचार की बदबू थी, आज ईमानदारी की खुशबू है। अखिलेश जी, इत्र कितना भी लगा लो – बदबू, खुशबू में बदल नहीं सकती।
> **********

श्री नड्डा ने कहा कि केंद्र में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आने के बाद से बहुत फर्क पड़ा है। वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों की हालत ख़राब हुई है और विकासवाद की कार्यसंस्कृति का प्रादुर्भाव हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आने के बाद जातिवाद, क्षेत्रवाद, वंशवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति का अंत हुआ। न जातिवाद रहा, न वंशवाद, न परिवारवाद और न ही तुष्टिकरण।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हम अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर लगातार जनता के बीच जा रहे हैं। सपा की पहचान है कुशासन और हमारी पहचान है सुशासन। हम गुड गवर्नेंस की बात करते हैं, वे बैड गवर्नेंस की बात करते हैं। पहले भ्रष्टाचार की बदबू थी, आज ईमानदारी की खुशबू है। अखिलेश जी, इत्र कितना भी लगा लो – बदबू, खुशबू में बदल नहीं सकती। हमारे पास नेता है, नेतृत्व है, नीति है और नीयत भी। विपक्ष के पास मैं अकेला, उसके बाद युवराज, उसके बाद युवराज का युवराज। हमारे पास कार्यकर्ता हैं, उनके पास माफिया हैं। आज उत्तर प्रदेश में माफिया या तो व्हील चेयर पर है, या अस्पताल में, या तड़ीपार या फिर जेल में। फर्क साफ़ दिखता है। डबल इंजन की सरकार में पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में जाता है लेकिन अखिलेश यादव की सरकार में लाभार्थियों का पैसा उनके खाने के लिए जाता था, लाभार्थियों तक पहुंचता ही नहीं था।

अखिलेश यादव पर हमला करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि अखिलेश यादव आजकल 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का झूठा वादा कर रहे हैं लेकिन सच्चाई ये है कि जो बिजली ही नहीं दे सकता वह बिजली बिल को मुफ्त क्या करेगा! अखिलेश यादव की सरकार में बिजली ही नहीं मिलती थी, आज हमारी सरकार में 24 घंटे बिजली मिल रही है। सौभाग्य योजना के तहत आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने लगभग 2.81 करोड़ घरों में बिजली पहुंचाई, बिजली से वंचित 18,000 गाँवों में बिजली पहुंचाई। उत्तर प्रदेश में भी लगभग 80 लाख घरों में बिजली हमारी डबल इंजन की सरकार ने पहुंचाई है।

माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आजकल महिला सशक्तिकरण की बहुत बातें होती हैं। कुछ लोग कहते हैं – लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ लेकिन आपको तब शर्म क्यों नहीं आई जब महिलायें खुले में शौच जाने के लिए विवश थीं? हमारी डबल इंजन की सरकार में 11 करोड़ से अधिक इज्जत घर बने और महिलाओं को सम्मान के साथ जीने का अधिकार मिला। उत्तर प्रदेश में भी लगभग 1.95 करोड़ इज्जत घर बने।

श्री नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी पर पूरा भरोसा है। यहाँ 'भ' से मतलब भत्ता, 'र' से मतलब राशन, 'अ' से मतलब आवास और 'स' से सुरक्षा है। भरोसा है तो भत्ता है, आवास है, राशन है और सुरक्षा भी। भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, माफियाराज और परिवारवाद – ये सपा, बसपा और कांग्रेस का तंत्र है जबकि 'सबका

साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' हमारा मंत्र है। वे लोगों को बाँट रहे हैं, हम जोड़ रहे हैं।

अखिलेश यादव पर कड़ा प्रहार करते हुए माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आज अखिलेश यादव नए–नए झूठे वादे कर रहे हैं लेकिन आपने अपने पांच साल एक शासन में जो किया, उसे जनता को याद दिलाना जरूरी है। अखिलेश यादव की सरकार में खनन माफिया दनदना रहे थे, आज भी उनके नेता जेल में बंद हैं। उत्तर प्रदेश की जनता भूली नहीं है कि किस तरह गोमती रिवर फ्रंट में 1,600 करोड़ रुपये के घोटाले की बात आई थी। अखिलेश सरकार ने युवाओं में बांटने के लिए 15 लाख लैपटॉप खरीदे थे, उसमें केवल सवा छः लाख ही वितरित किये गए, बाकी कहाँ गए, किसी को नहीं पता। अखिलेश सरकार ने लगभग एक लाख करोड़ रुपये का यूटीलाइजेशन सर्टिफिकेट ही नहीं दिया था। योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने एक लाख स्मार्टफोन और लैपटॉप वितरित कर दिए हैं, अब एक करोड़ लैपटॉप व स्मार्टफोन वितरित किये जायेंगे। अखिलेश यादव के 5 वर्ष में लगभग 700 दंगे हुए। उस समय महिलायें असुरक्षित थीं। अखिलेश सरकार ने 15 आतंकियों को बचाने के लिए उन पर से केस हटा लिया था। वह तो भला हो अदालत का जिन्होंने केस हटाने की परमिशन नहीं दी। जांच पूरी होने के बाद उन 15 आतंकियों में से चार को मौत की सजा मिली और बाकियों को उम्र कैद।

भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, माफियाराज और परिवारवाद – ये सपा, बसपा और कांग्रेस का तंत्र है जबकि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' हमारा मंत्र है। वे लोगों को बाँट रहे हैं, हम जोड़ रहे हैं।

****

श्री नड्डा ने कहा कि हम कुर्सी से चिपकने नहीं आये हैं, हम उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाकर देश को आगे ले जाने के लिए आये हैं। उत्तर प्रदेश जब आगे बढ़ता है तो देश आगे बढ़ता है। ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हैं जिनके नेतृत्व में धारा 370 धाराशायी हुआ, ट्रिपल तलाक ख़त्म हुआ, आतंकवाद पर सर्जिकल व एयर स्ट्राइक हुआ और उनके ही कर–कमलों से श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का शिलान्यास हुआ। जनता भूली नहीं है कि रामभक्तों पर गोलियां किसने चलवाई थी, निर्दोषों की हत्या किसने की थी और 25 सितंबर 2015 को गंगाजी के घाट पर संतों पर लाठीचार्ज किसने किया था? रामभक्तों पर गोलियां और डंडे चलाने वाले आज मंदिरों में घंटियाँ बजा रहे हैं। ये भारतीय जनता पार्टी है जिसने इन लोगों को मंदिरों में जाने को मजबूर किया है। जिन लोगों ने कभी आचमन करना नहीं सीखा, जिन्हें चरणामृत पीना नहीं आता, आज वे चंदन लगा कर भाषण दे रहे हैं। इन लोगों ने श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर के निर्माण को अटकाने, भटकाने और लटकाने के लिए न जाने कितने यत्न किये। उन्हें भगवान् श्रीराम के भव्य मंदिर की चिंता नहीं थी, उन्हें भाजपा को लाभ मिल जाने की चिंता थी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में भव्य श्रीकाशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण किया है और माँ विंध्यवासिनी देवी कॉरिडोर का भी निर्माण हो रहा है।

किसानों के उत्थान एवं कृषि कल्याण पर बोलते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कहने को तो बहुत किसान नेता हुए लेकिन पिछले 7 वर्षों में कृषि विकास एवं किसान कल्याण के लिए जितना कार्य आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया, उतना किसी ने नहीं किया। पहले कृषि बजट केवल 22,000 करोड़ रुपये का था, आज यह कई गुना बढ़ कर 1.23 लाख करोड़ रुपये हो गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में अब तक देश के लगभग 10 करोड़ किसानों को 10 किस्तों में लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। अभी एक जनवरी को ही आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने 10वीं क़िस्त जारी की है। अब तक लगभग 29 करोड़ स्वायल हेल्थ कार्ड वितरित किये गए हैं। किसानों के मासिक पेंशन के लिए किसान मानधन योजना की शुरुआत हुई। प्रति बोरी डीएपी पर 1,200 रुपये की सब्सिडी दी जा रही है।

उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों की भलाई के लिए किये गए कार्यों की चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रदेश में गन्ना किसानों को लगभग 1.44 लाख करोड़ रुपये बकाये का भुगतान किया गया। इतना ही नहीं, अखलेश सरकार के समय का भी लगभग 11,000 करोड़ रुपये का भुगतान योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया। बहन मायावती की सरकार में लगभग 21 चीनी मिलें औने–पौने दाम में बेच दी गई और लगभग 18–19 चीनी मिलें बंद हो गई। इसी तरह अखिलेश सरकार में भी 11 चीनी मिलें बंद हो गई। पर, डबल इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश में एक भी चीनी मिल बंद नहीं हुई बल्कि तीन नयी चीनी मिलें शुरू हुई हैं, 54 डिस्टिलरी चल रही है और सबसे ज्यादा गन्ना पेराई व गन्ने का उत्पादन उत्तर प्रदेश में हो रहा है। एक चीनी मिल मुंडेरवा में भी लगभग 386 करोड़ रुपये की लागत से खुल रही है।

माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि डबल इंजन की

मोदी-योगी के नेतृत्व में ही मुमकिन है उत्तर प्रदेश का विकास - स्वतंत्र देव सिंह

सरकार में हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज बन रहा है। अब तक उत्तर प्रदेश में लगभग 59 मेडिकल कॉलेज बनाए गए हैं। अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी का निर्माण हो रहा है। गोरखपुर में एम्स बना है, इसमें ओपीडी की शुरुआत भी हो चुकी है। इन्सेफ्लाइटिस के लिए एक रिसर्च सेंटर की स्थापना की गई है। जापानीज इन्सेफ्लाइटिस से होने वाली मौतों में भारी कमी आई है। आयुष्मान भारत से प्रदेश के लगभग सवा करोड़ परिवार जोड़े गए हैं। खुशीनगर और अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहा है। जेवर में एशिया का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहा है। काकोरी ट्रेन एक्शन आया है। ब्रह्मोस का उत्पादन भी अब लखनऊ में शुरू हो रहा है। गोमती के किनारे ग्रीन कॉरिडोर बनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में पिछले पांच वर्षों में पांच नए एक्सप्रेस–वे बनाए गए हैं। इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बन रहा है, डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश में हर जगह विकास की नई कहानी लिखी गई है। लेकिन विकास कार्यों को जमीन पर उतारने में सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकार में जिन्होंने भी रुकावटें डाली, उसे पहचानना जरूरी है।

श्री नड्डा ने उत्तर प्रदेश की महान जनता का आह्वान करते हुए कहा कि गलत जगह बटन दब जाए तो माफिया राज आ जाता है, दंगे होते हैं, महिलाओं का सम्मान ख़त्म हो जाता है लेकिन वहीं जब सही जगह बटन दबता है तो नए एम्स बनते हैं, मेडिकल कॉलेज बनते हैं, सुशासन आता है। ये भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार के प्रति उत्तर प्रदेश की जनता का विश्वास है, जिनके आधार पर हम विकास को जन–जन तक पहुंचाने में सफल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर सपा, बसपा और कांग्रेस है जो सत्ता का उपयोग अपने लिए करती है, दूसरी ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार है जो जो सत्ता का उपयोग गरीबों के आंसू पोंछने के लिए करती है, जन–जन के विकास के लिए करती है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बीते पांच साल के साफ–सुथरे विकास की बदौलत भाजपा की लहर यूपी में 2017 से भी तेज चल रही है। "हवा ऐसी है कि सपा की साईकल चुनाव में उतरने से पहले ही पंचर हो गयी है और बसपा तो घर से बाहर ही नहीं निकलना चाहती"। श्री सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार और माफिया का शासन अब यूपी की जनता लौटने नहीं देगी और योगी आदित्यनाथ एक बार फिर से पांच साल के लिए मुख्यमंत्री बनेंगे।

"यूपी का लॉ एंड ऑर्डर देश में सबसे अच्छा"

श्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि वो दिन लद गए जब यूपी में दिनदहाड़े बहन बेटियों की स्कूटी रोक ली जाती थी। औरतों की अस्मिता पर हाथ डालने वाले अब या तो जेल जाते हैं या 6 गज ज़मीन के नीचे। कानून के हाथ को मजबूत करने का काम माननीय योगी जी ने किया है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले जब अपराधी पकड़े जाते थे तो मियां जी के फोन आ जाते थे और अपराधी छोड़ दिए जाते थे, अब ऐसा नहीं होता। किसी की हिम्मत नहीं है कि यूपी में अपराध करके सुरक्षित लौट जाए। श्री सिंह ने कहा कि यूपी की जनता भूली नहीं है कि पिछली सरकारों ने यहां कब्रिस्तान की चारदीवारी बनवाई जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने गरीबों के मकान बनाए। अब योजनाओं का लाभ किसानों को सीधे उनके खाते में मिल रहा है। गरीबों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

पिछड़े वर्ग के विकास पर ध्यान

पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान करना ये साबित करता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हर तबके का विकास चाहते हैं। सपा और बसपा की तरह बातें भर नहीं करते। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में इसके बाद से पिछड़े वर्ग से 27 मंत्री बनाए हैं। जो अब तक का रिकॉर्ड है। पिछड़े वर्ग के बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी भी मोदी जी ने उठाई है। अब पिछड़े वर्ग के बच्चों के डॉक्टर बनने की राह सुगम है। नीट की परीक्षा में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। यह एक ऐतिहासिक फैसला है।

गरीब–गरीब एक समान, हिन्दू हो या मुसलमान : केशव मौर्य

कानपुर के बिठूर में आयोजित जन विश्वास यात्रा के अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश जी सपा के लिए नहीं कुछ बचा है 22 में, थोड़ी बहुत हिम्मत है तो तैयारी करो 27 में। उन्होंने कहा कि 2014 से भाजपा की विजय यात्रा शुरू हुई थी तब से भाजपा की प्रचंड जीत हो रही है। 2019 में सारे भाजपा विरोधी एक हो गए तब भी भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 64 सीटें मिली और 51 फीसदी वोट देकर जनता ने मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाया। अगर जनता ने मोदी जी को प्रधानमंत्री नहीं बनाया होता तो अयोध्या में क्या राम लला का भव्य मंदिर बन रहा होता। अगर नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री नहीं बनाया होता तो क्या जम्मू–कश्मीर से धारा 370 हटी होती। उन्होने कहा कि औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ के मंदिर को तहस–नहस किया था। काशी में ऐसा बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर बनाया गया है जिसमें 50000 लोग एक साथ जा सकते हैं। समाजवादी पार्टी को केशव मौर्य ने जिन्नावादी पार्टी करार दिया और कहा कि जिन्ना से प्यार नहीं होता तो कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने जाते समाजवादी। वह अपनी सरकार में कब्रिस्तान की बाउंड्री बनाते थे। हम देश में मिसाइल बनाने के काम की शुरुआत कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की 300 से अधिक सीटें जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि 100 मे 60 हमारा है, बाकी में बटवारा है और बंटवारे में भी हमारा है । बंटवारे में हमारा इसलिए है क्योंकि हम सबका साथ–सबका विश्वास सबका विकास की बात करते हैं हमारे लिए गरीब–गरीब एक समान है, वह हिंदू हो या मुसलमान।

'केन्द्र की मोदी व यूपी की योगी सरकार ने विकास की नई इबारत लिखी–अरुण सिंह

जनविश्वास यात्रा में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कहा कि भाजपा सरकारों ने विकास की नई इबारत लिखी जबकि

विपक्ष की सरकारों में जिलों में साम्प्रदायिक तनाव फैलना और कर्फ्यू लगना आम बात होती थी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने जन विश्वास यात्रा के अवसर पर आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित करते हुए जन समुदाय को विरोधी दलों की चालों से आगाह किया और कहा कि जाति, धर्म के आधार पर बांटने का प्रयास करनेवालों के चंगुल में नही आना है। सुलतानपुर के चांदा, लंभुआ, बरौसा व शहर के तिकोनिया पार्क में जनसभा के दौरान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री सांसद श्री विनोद सोनकर, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री मोती सिंह, मंत्री धर्मवीर प्रजापति तथा तमाम विधायक और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जाति, धर्म के आधार पर बांटने का प्रयास करनेवालों के चंगुल में नही है फंसना–डा दिनेश शर्मा

उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने जन समूह से कमल के फूल को मतदान के समय याद रखने का आह्वान किया तथा एक प्रकार से इशारा किया कि उन्हें प्रत्याशी की जगह कमल के फूल को याद रखना है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से प्रश्नोत्तर शैली में भाजपा की विजय व अन्य दलों के बारे में पूछा तो जनता ने दोनो हाथ उठाकर कहा कि भाजपा जीतेगी और सपा हारेगी तथा बसपा भागेगी और भारत माता की जय होगी।

उन्होंने कहा कि रामलला का मन्दिर शताब्दियों बाद बन रहा है। उन्होने काशी विश्वनाथ मन्दिर में बनाए गए कॉरीडोर का जिक्र किया। जिसे देखकर संतों ने कहा था कि मोदी और योगी नये भारत का निर्माण करने जा रहे हैं। उन्होंने जन समुदाय से भाजपा को वोट देकर इनके हाथ मजबूत करने का आह्वान किया।

भारतीय परंपरा कितनी समृद्ध है कि वह जाति व धर्म नहीं देखती। लेकिन यहां पहले राज करने वाले हिन्दू और हिन्दुत्व को अलग समझते हैं। इनके पूर्वज कहते थे कि वह एक्सीडेंटल हिन्दू हैं, वह हिन्दू बोल भी नहीं सकते। उन्होंने तो दुर्भाग्य से भारत में जन्म ले लिया। आपके पूर्व सांसद जब बाहर जाते हैं तो भारत के खिलाफ बोलते हैं और जब केरल जाते हैं तो अमेठी के खिलाफ। इतना खुदगर्ज किसी को नहीं होना चाहिए। अमेठी में राजकीय मेडिकल कालेज और 500 शैय्या वाला जिला स्तरीय चिकित्सालय का लोकार्पण तथा भारतीय जनता पार्टी जन विश्वास यात्रा के दौरान आयोजित जनसभा को सम्बोधित करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हिन्दू पर हमारा कोई छुपा एजेंडा नहीं है। हम सत्ता से बाहर थे तो भी और जब सत्ता में है तब भी गर्व से कहते हैं कि हम हिन्दू हैं। जनसभा को केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने भी सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय परंपरा कितनी समृद्ध है कि वह जाति धर्म नहीं देखती। यह अगर यहां के पहले राज करने वाले समझ सकते तो वह हिन्दू और हिन्दुत्व को अलग नहीं समझते। लेकिन यह विघटनकारी राजनीति करते हैं। इनके पूर्वज कहते थे कि वह एक्सीडेंटल हिन्दू हैं वह हिन्दू बोल भी नहीं सकते। यानि उन्होंने दुर्भाग्य से भारत में जन्म ले लिया है। आपके पूर्व सांसद जब भारत के बाहर जाते हैं तो भारत के खिलाफ बोलते हैं और जब केरल जाते हैं तो अमेठी के खिलाफ बोलते हैं। इतना खुदगर्ज किसी को नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने देखा कि आयकर विभाग दीवालों से नोटों की गड्डियां निकाल रहा है। पहले जेसीबी से मिट्टी निकालने का काम होता था लेकिन हम जेसीबी से नोटों का अम्बार निकाल रहे हैं। यह वही पैसा है जो गरीबों की योजनाओं का लूटकर दीवालों में दबा दिया गया था। उन्होंने कहा कि हमारा कोई छुपा एजेंडा नहीं है। जब हम सरकार में है तब भी जब नहीं थे तब भी कहते रहे हैं कि गर्व से कहो हम हिन्दू हैं। लेकिन वह लोग देश की सांस्कृतिक परपंरा को नहीं जानते इसीलिए इन्होंने सत्ता के लालच में देश का विभाजन करवाया और कश्मीर में धारा 370 लगाई तो राममंदिर में ताला लगवाया और हमेशा रामसेतु को तोड़ने के लिए लालायित रहते थे। हम भारतीय है हिन्दुत्व हमारी सांस्कृतिक पहचान है। यह लोग सोमनाथ और राममंदिर के मंदिर का विरोध करते थे। कुछ लोग तो कहते थे कि अयोध्या में परिंदा भी पर नहीं मार सकता और गोली चलवाने का काम किया था। लेकिन आपकी ताकत के आगे यह परास्त हो चुके हैं यह लोकतंत्र की ताकत है कि यही राममंदिर बनाने की बात करने लगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की लड़ाई ही है निर्माण और विध्वंस करने वालों के बीच। आपने इतिहास में सुना होगा

राहुल के पूर्वज एक्सीडेंटल हिन्दू, इसीलिए हिन्दू और हिन्दुत्व नहीं समझते - योगी

कि जिन श्रमिकों ने ताजमहल का निर्माण किया तो उनके हाथ काट दिए गए थे आज श्रीकाशी विश्वनाथ धाम बनाने वालों पर प्रधानमंत्री पुष्पवर्षा करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब कोरोना काल था हम और हमारी सरकार लोगों के बीच जीवन और जीविका बचाने का काम कर रही थी। वहीं सरकार के काम में विघ्न डालने के लिए यहां के नेता ने दूसरे प्रदेश से श्रमिकों को वापस लाने के लिए एक हजार बसों का नम्बर दिया। जब हमारी सरकार ने उस सूची की जांच कराई गई तो उसमें स्कूटर और कबाड़ी के यहां पड़ी गाड़ी का नम्बर निकला। कांग्रेस फर्जी बस और स्कूटर का नम्बर देकर जनता के साथ खिलवाड़ कर रही थी। यह लोग तब अव्यवस्था फैलाना चाहते थे। उस समय सपा और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष या सामान्य कार्यकर्ता जनता के बीच नहीं था। जब चुनाव की दस्तक सुनाई दी तो यह चुनावी पर्यटन के लिए निकल पड़े हैं। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि हमने गरीबी हटाओ का तो नारा नहीं दिया। हमारे प्रधानमंत्री ने तो सबका साथ और सबका विकास का नारा दिया।

उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों को लगभग 1.44 लाख करोड़ रुपये बकाये का भुगतान किया गया। इतना ही नहीं, अखलेश सरकार के समय का भी लगभग 11,000 करोड़ रुपये का भुगतान योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया।

****

गलत जगह बटन दब जाए तो माफिया राज आ जाता है, दंगे होते हैं, महिलाओं का सम्मान ख़त्म हो जाता है लेकिन वहीं जब सही जगह बटन दबता है तो नए एम्स बनते हैं, मेडिकल कॉलेज बनते हैं, सुशासन आता है।

****

केंद्रीय मंत्री व अमेठी सांसद श्रीमती स्मृति ईरानी आज सोमवार को भारतीय जनता पार्टी जन विश्वास यात्रा में शामिल हुई। साथ ही जगदीशपुर के मुबारकपुर में उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए पखवारे भर पूर्व जगदीशपुर के रामलीला मैदान में रिश्तों की दुहाई देने वाले राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर हमला बोला।

श्रीमती स्मृति ईरानी ने कहा कि आज पूछना चाहती हूं उनसे, जो दंभ भरते हैं रिश्तों का, जो दुहाई देते हैं महिला होने की। पचास साल आपका एकक्षत्र राज रहा इस जनपद में, ढाई लाख बहने ऐसी थीं जिनके पास कभी डॉक्टर के पास इलाज कराने का पैसा नहीं था। आप एक जनपद को अच्छे स्वास्थ्य की सुविधा नहीं दे पाएं और आज उत्तर प्रदेश को झूठे वादे देने का आप पाप कर रहे हैं। अमेठी को अंधकार में रखने का अपराध उस एक परिवार ने अकेले नहीं किया, हाथ में साइकिल को थामा और हाथ व साइकिल ने हाथी पर चढ़कर अमेठी के सपनों का तिरस्कार किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा जन विश्वास यात्रा में उमड़े इस जन सैलाब ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं कि 2022 चुनाव में फिर से सपा, बसपा, कांग्रेस को जड़ से उखाड़ फेंकना है।

चुनाव का शंखनाद

विधानसभा चुनावों की घोषणा का प्रदेश अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह ने स्वागत करते हुए देवतुल्य कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि चुनाव के इस शंखनाद के साथ हमें पूर्ण समर्पण भाव से उत्तर प्रदेश में पुनः कमल खिलाने के लिए रात–दिन परिश्रम करना है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप जैसे कर्मठ और लगनशील कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता जनार्दन के आशीर्वाद से भाजपा पुनः 300+ सीट जीतेगी।

उन्होंने जनता जनार्दन से अपील करते हुए कहा कि वह लोकतंत्र के इस महापर्व में पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग करें।

आपकी सहभागिता हमारे देश के लोकतंत्र की ताकत है। लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है। दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी होने के नाते भाजपा को इसका बखूबी अहसास है। साथ ही जनता के निर्णय पर पूरा भरोसा भी। भाजपा के लिए देश, देश की जनता की खुशहाली सर्वोपरि रही है और रहेगी भी। इसी को केंद्र में रखकर डबल इंजन मोदी–योगी की सरकार ने सारी योजनाएं बनाईं, उनपर पूरी ईमानदारी एवं पारदर्शिता से अमल भी किया। हमने जो कहा उसे पूरा करके दिखाया है।

2022 का विधानसभा चुनाव कामदारों और नामदारों के बीच होना है। भाजपा कामदारों की पार्टी है, जिसने गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला, श्रमिक, वंचित, पिछड़े और दलितों का कल्याण करने के लिए अनथक परिश्रम किया है। नामदार वे हैं जिनके लिए परिवार ही पार्टी है, उसके विकास के लिए जिन्होंने प्रदेश के संसाधनों की लूट की, उसे भ्रष्टाचार के दलदल में डुबोया, दंगे–फसाद कराकर बहन–बेटियों और प्रदेशवासियों को असुरक्षा और डर के माहौल में जीवन जीने को मजबूर किया। माफ़ियावादी संस्कृति का पोषण किया। इन नामदारों के चेहरे बेनकाब हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि, झूठे वादे करना और झूठे आरोप लगाना समाजवादी पार्टी का चरित्र है, इनकी यही सबसे बड़ी उपलब्धि है। भर्तियों में भ्रष्टाचार ही जिनकी पहचान रही हो, उनसे न्याय की उम्मीद बेमानी है। चाचा–भतीजे और उनके लोग किस तरह से झोला लेकर घूमते थे और लाखों युवाओं की उम्मीदों पर कुठाराघात करते थे। यह किसी से छिपा नहीं है कि एक भर्ती घोटाले में खुद चच्चाजान भी आरोपी हैं। इनके इत्र वाले मित्र के कारनामें जनता देख चुकी है। कैसे जनता की गाढ़ी कमाई इनकी दीवारों और फर्शों से निकल रही थी। अखिलेश जी आप इन्हें पहचानने से भले ही इनकार कर दें, लेकिन प्रदेश की जनता उनकी करतूतें जान चुकी है। कल तक वे आयोग से छापे रोकने के लिए कह रहे थे। वह खुद बहुत विचलित और व्याकुल हो गए हैं। वह कुछ भी कर लें गरीबों के हक की लूट का दाग इनके दामन से जाने वाला नहीं है।

UTTAR PRADESH ASSEMBLY CONSTITUENCY

PHASE - 1	PHASE - 2	PHASE - 3	PHASE - 4	PHASE - 5	PHASE - 6	PHASE - 7
8 - Kairana	1 - Behat	78 - Hathras (SC)	127 - Pilibhit	178 - Tiloi	277 - Katehari	343 - Atrauliya
9 - Thana Bhawan	2 - Nakur	79 - Sadabad	128 - Barkhera	181 - Salon (SC)	278 - Tanda	344 - Gopalpur
10 - Shamli	3 - Saharanpur Nagar	80 - Sikandra Rao	129 - Puranpur (SC)	184 - Jagdishpur (SC)	279 - Alapur (SC)	345 - Sagri
11 - Budhana	4 - Saharanpur	95 - Tundla (SC)	130 - Bisalpur	185 - Gauriganj	280 - Jalalpur	346 - Mubarakpur
12 - Charthawal	5 - Deoband	96 - Jasrana	137 - Palia	186 - Amethi	281 - Akbarpur	347 - Azamgarh
13 - Purqazi (SC)	6 - Rampur Maniharan (SC)	97 - Firozabad	138 - Nighasan	187 - Isauli	291 - Tulsipur	348 - Nizamabad
14 - Muzaffar Nagar	7 - Gangoh	98 - Shikohabad	139 - Gola Gokrannath	188 - Sultanpur	292 - Gainsari	349 - Phoolpur-Pawai
15 - Khatauli	17 - Najibabad	99 - Sirsaganj	140 - Sri Nagar (SC)	189 - Sadar	293 - Utraula	350 - Didarganj
16 - Meerapur	18 - Nagina (SC)	100 - Kasganj	141 - Dhaurahra	190 - Lambhua	294 - Balrampur (SC)	351 - Lalganj (SC)
43 - Siwalkhas	19 - Barhapur	101 - Amanpur	142 - Lakhimpur	191 - Kadipur (SC)	302 - Shohratgarh	352 - Mehnagar (SC)
44 - Sardhana	20 - Dhampur	102 - Patiyali	143 - Kasta (SC)	236 - Chitrakoot	303 - Kapilvastu (SC)	353 - Madhuban
45 - Hastinapur (SC)	21 - Nehtaur (SC)	103 - Aliganj	144 - Mohammdi	237 - Manikpur	304 - Bansi	354 - Ghosi
46 - Kithore	22 - Bijnor	104 - Etah	145 - Maholi	244 - Rampur Khas	305 - Itwa	355 - Muhammadabad-Gohna (SC)
47 - Meerut Cantt.	23 - Chandpur	105 - Marhara	146 - Sitapur	245 - Babaganj (SC)	306 - Domariyaganj	356 - Mau
48 - Meerut	24 - Noorpur	106 - Jalesar (SC)	147 - Hargaon (SC)	246 - Kunda	307 - Harraiya	364 - Badlapur
49 - Meerut South	25 - Kanth	107 - Mainpuri	148 - Laharpur	247 - Vishwanath Ganj	308 - Kaptanganj	365 - Shahganj
50 - Chhaprauli	26 - Thakurdwara	108 - Bhongaon	149 - Biswan	248 - Pratapgarh	309 - Rudhauli	366 - Jaunpur
51 - Baraut	27 - Moradabad Rural	109 - Kishni (SC)	150 - Sevata	249 - Patti	310 - Basti Sadar	367 - Malhani
52 - Baghpat	28 - Moradabad Nagar	110 - Karhal	151 - Mahmoodabad	250 - Raniganj	311 - Mahadewa (SC)	368 - Mungra Badshahpur
53 - Loni	29 - Kundarki	192 - Kaimganj (SC)	152 - Sidhauli (SC)	251 - Sirathu	312 - Menhdawal	369 - Machhlishahr (SC)
54 - Muradnagar	30 - Bilari	193 - Amritpur	153 - Misrikh (SC)	252 - Manjhanpur (SC)	313 - Khalilabad	370 - Mariyahu
55 - Sahibabad	31 - Chandausi (SC)	194 - Farrukhabad	154 - Sawayazpur	253 - Chail	314 - Dhanghata (SC)	371 - Zafrabad
56 - Ghaziabad	32 - Asmoli	195 - Bhojpur	155 - Shahabad	254 - Phaphamau	315 - Pharenda	372 - Kerakat (SC)
57 - Modi Nagar	33 - Sambhal	196 - Chhibramau	156 - Hardoi	255 - Soraon (SC)	316 - Nautanwa	373 - Jakhanian (SC)
58 - Dhaulana	34 - Suar	197 - Tirwa	157 - Gopamau (SC)	256 - Phulpur	317 - Siswa	374 - Saidpur (SC)
59 - Hapur (SC)	35 - Chamraua	198 - Kannauj (SC)	158 - Sandi (SC)	257 - Pratappur	318 - Maharajganj (SC)	375 - Ghazipur
60 - Garhmukteshwar	36 - Bilaspur	199 - Jaswantnagar	159 - Bilgram-Mallanwan	258 - Handia	319 - Paniyra	376 - Jangipur
61 - Noida	37 - Rampur	200 - Etawah	160 - Balamau (SC)	259 - Meja	320 - Caimpiyarganj	377 - Zahoorabad
62 - Dadri	38 - Milak (SC)	201 - Bharthana (SC)	161 - Sandila	260 - Karachhana	321 - Pipraich	378 - Mohammadabad
63 - Jewar	39 - Dhanaura (SC)	202 - Bidhuna	162 - Bangermau	261 - Allahabad West	322 - Gorakhpur Urban	379 - Zamania
64 - Sikandrabad	40 - Naugawan Sadat	203 - Dibiyapur	163 - Safipur (SC)	262 - Allahabad North	323 - Gorakhpur Rural	380 - Mughalsarai
65 - Bulandshahr	41 - Amroha	204 - Auraiya (SC)	164 - Mohan (SC)	263 - Allahabad South	324 - Sahajanwa	381 - Sakaldiha
66 - Syana	42 - Hasanpur	205 - Rasulabad (SC)	165 - Unnao	264 - Bara (SC)	325 - Khajani (SC)	382 - Saiyadraja
67 - Anupshahr	111 - Gunnaur	206 - Akbarpur-Raniya	166 - Bhagwantnagar	265 - Koraon (SC)	326 - Chauri-Chaura	383 - Chakia (SC)
68 - Debai	112 - Bisauli (SC)	207 - Sikandra	167 - Purwa	266 - Kursi	327 - Bansgaon (SC)	384 - Pindra
69 - Shikarpur	113 - Sahaswan	208 - Bhognipur	168 - Malihabad (SC)	267 - Ram Nagar	328 - Chillupar	385 - Ajagara (SC)
70 - Khurja (SC)	114 - Bilsi	209 - Bilhaur (SC)	169 - Bakshi Kaa Talab	268 - Barabanki	329 - Khadda	386 - Shivpur
71 - Khair (SC)	115 - Badaun	210 - Bithoor	170 - Sarojini Nagar	269 - Zaidpur (SC)	330 - Padrauna	387 - Rohaniya
72 - Barauli	116 - Shekhupur	211 - Kalyanpur	171 - Lucknow West	270 - Dariyabad	331 - Tamkuhi Raj	388 - Varanasi North
73 - Atrauli	117 - Dataganj	212 - Govindnagar	172 - Lucknow North	271 - Rudauli	332 - Fazilnagar	389 - Varanasi South
74 - Chharra	118 - Baheri	213 - Sishamau	173 - Lucknow East	272 - Haidergarh (SC)	333 - Kushinagar	390 - Varanasi Cantt.
75 - Koil	119 - Meerganj	214 - Arya Nagar	174 - Lucknow Central	273 - Milkipur (SC)	334 - Hata	391 - Sevapuri
76 - Aligarh	120 - Bhojipura	215 - Kidwai Nagar	175 - Lucknow Cantt.	274 - Bikapur	335 - Ramkola (SC)	392 - Bhadohi
77 - Iglas (SC)	121 - Nawabganj	216 - Kanpur Cantt.	176 - Mohanlalganj (SC)	275 - Ayodhya	336 - Rudrapur	393 - Gyanpur
81 - Chhata	122 - Faridpur (SC)	217 - Maharajpur	177 - Bachhrawan (SC)	276 - Goshainganj	337 - Deoria	394 - Aurai (SC)
82 - Mant	123 - Bithari Chainpur	218 - Ghatampur (SC)	179 - Harchandpur	282 - Balha (SC)	338 - Pathardeva	395 - Chhanbey (SC)
83 - Goverdhan	124 - Bareilly	219 - Madhaugarh	180 - Rae Bareli	283 - Nanpara	339 - Rampur Karkhana	396 - Mirzapur
84 - Mathura	125 - Bareilly Cantt.	220 - Kalpi	182 - Sareni	284 - Matera	340 - Bhatpar Rani	397 - Majhawan
85 - Baldev (SC)	126 - Aonla	221 - Orai (SC)	183 - Unchahar	285 - Mahasi	341 - Salempur (SC)	398 - Chunar
86 - Etmadpur	131 - Katra	222 - Babina	232 - Tindwari	286 - Bahraich	342 - Barhaj	399 - Marihan
87 - Agra Cantt. (SC)	132 - Jalalabad	223 - Jhansi Nagar	233 - Baberu	287 - Payagpur	357 - Belthara Road (SC)	400 - Ghorawal
88 - Agra South	133 - Tilhar	224 - Mauranipur (SC)	234 - Naraini (SC)	288 - Kaiserganj	358 - Rasara	401 - Robertsganj
89 - Agra North	134 - Powayan (SC)	225 - Garautha	235 - Banda	289 - Bhinga	359 - Sikanderpur	402 - Obra (ST)
90 - Agra Rural (SC)	135 - Shahjahanpur	226 - Lalitpur	238 - Jahanabad	290 - Shrawasti	360 - Phephana	403 - Duddhi (ST)
91 - Fatehpur Sikri	136 - Dadraul	227 - Mehroni (SC)	239 - Bindki	295 - Mehnaun	361 - Ballia Nagar	
92 - Kheragarh		228 - Hamirpur	240 - Fatehpur	296 - Gonda	362 - Bansdih	
93 - Fatehabad		229 - Rath (SC)	241 - Ayah Shah	297 - Katra Bazar	363 - Bairia	
94 - Bah		230 - Mahoba	242 - Husainganj	298 - Colonelganj		
		231 - Charkhari	243 - Khaga (SC)	299 - Tarabganj		
				300 - Mankapur (SC)		
				301 - Gaura		

कहा, 2017 के बाद यूपी में विकास की गाड़ी डबल इंजन से लैस हो गई और वह प्रदेश की जनता के कल्याण के लिए लगातार दौड़ रही है। हमने प्रदेश को जंगलराज से पूरी तरह से मुक्ति दिलाई। आज विकास के हर पैमाने पर 70 साल और 5 साल के बीच का फर्क साफ है। जनता भी कामदारों और नामदारों के बीच फर्क को पूरी स्पष्टता से साफ कर चुकी है। हम चुनाव में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के ध्येय को लेकर जनता के बीच फिर से जा रहे हैं। हमें भरोसा है कि फिर एक बार जनता जनार्दन का आशीर्वाद हमपर कायम रहने वाला है। हम अपने परिश्रमी कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के व्यापक समर्थन से 300 प्लस सीटों के साथ दोबारा 25 करोड़ जनता की सेवा के लिए कल्याणकारी सरकार बनाएंगे।

सपा के नारे पर उन्होंने कहा कि जनता अखिलेश को खुद ही आने नहीं देगी, 10 मार्च को सपा, बसपा और कांग्रेस सभी परास्त होने वाले हैं। जनता जानती है कि सपा का मतलब प्रदेश को लूटना, भ्रष्टाचार, गुण्डाराज, दंगाराज की वापसी है। वे तो केवल राम मंदिर, विश्वनाथधाम, विंध्यधाम का काम रोकने का मंसूबा पाले हुए हैं। वे आजम, अतीक और मुख्तार को छुड़ाने की प्लानिंग कर रहे हैं। इसलिए जनता मन बना चुकी है अबकी बार इनकी परमानेंट विदाई करने जा रही है। उन्होंने जोड़ा कि, अखिलेश यादव जी ने हार कबूल कर ली है, वे खुद ही कह रहे हैं कि वे बीजेपी के सामने नहीं टिक पाएंगे। उनके इत्र वाले मित्र के खेल का खुलासा हो चुका है।

संक्रान्ति यानि समरस सुसंगठित समृद्ध समाज

संक्रांति शुभ दिशा में परिवर्तन का प्रतीक है।अंधकारमय रात्रि को धीरे–धीरे समाप्त कर प्रकाशित करने वाले दिन की वृद्धि, सूर्य की किरणों में उष्णता अर्थात मकर संक्रांति' अंधकार से प्रकाश', 'अज्ञान से ज्ञान', 'शीत से उष्णता', 'शिथिलता से स्फूर्ति', 'आलस्य से चेतनता' 'हीनता से श्रेष्ठता', 'शूद्रता से गुरुता', 'अवगुणों से गुणों', 'अकर्मण्यता से कर्मठता', 'विपन्नता से संपन्नता' की ओर बढ़ने का संदेश देती है।

यह उत्सव संपूर्ण देश में विभिन्न नामों एवं रूपों में मनाया जाता है इस को पंजाब में 'लोहड़ी' तमिलनाडु में 'पोंगल' , असम में 'माघ बिहू' के नाम से जाना जाता है।

मकर संक्रांति उत्सव की अपनी विशेषता है इसको खिचड़ी संक्रांति भी कहते हैं। इस दिन उड़द की काली दाल एवं चावलों को मिलाकर बनी खिचड़ी एवं गुड़ तिल से बने खाद्य पदार्थ का सेवन करना स्वास्थ्य की दृष्टि से आवश्यक एवं उत्तम माना जाता है। इसके सेवन से उष्णता एवं रक्त संचार में वृद्धि होती है।

सामाजिक समरसता की दृष्टि से भी यह उत्सव महत्वपूर्ण है। छोटे – छोटे एवं बिखरे हुए तिलों के समान हिंदू समाज में वर्ग विशेष के संग किरण चिंतन एवं व्यवहार से प्रभावित होकर अपने परिवार से अलग हुए बंधु बांधवों को गुण रुपी स्नेहा आत्मीयता एवं एकात्मकता की अनुभूति एवं व्यवहार के आधार पर एक समरस सुसंगठित समृद्धि व सभी प्रकार से सुख वह सुरक्षित समाज जीवन निर्माण करने का मंगलकारी एवं उदास भाव निर्माण होता है।

नाथपंथ का खिचड़ी मेला

समरसता का प्रतीक खिचड़ी राष्ट्रीय व्यंजन है। देश भर में सैकड़ों नाथपंथ के मंदिर मठ है लेकिन गोरखपुर में विशेष रूप से खिचड़ी मेला लगता है जो सेवा समरसता का प्रतीक है ।

शिवावतारी गुरु गोरक्षनाथ से जुड़ी मान्यता है कि त्रेता युग में हिमांचल के कांगड़ा स्थित ज्वाला देवी मंदिर से भ्रमण करते यहां आए गुरु गोरक्षनाथ का चमत्कारी खप्पर लाखों टन खिचड़ी चढ़ाने पर भी नहीं भरा। गुरु गोरक्षनाथ का खप्पर भरने और उनके लौटने का इंतजार हिमांचल के कांगड़ा में आज भी हो रहा है। ज्वाला देवी स्थान पर आज भी अदहन खौल रहा है। दरअसल, पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक त्रेता युग में गुरु गोरक्षनाथ भ्रमण करते हुए कांगड़ा के ज्वाला देवी स्थान पर पहुंचे थे। माता ज्वाला ने उनका स्वागत किया और भोजन का आमंत्रण दिया लेकिन देवी स्थान पर वामाचार विधि से पूजन–अर्चन होता था। वहां मद्य और मांस युक्त तामसी भोजन पकता था जिसे गुरु गोरक्षनाथ ग्रहण नहीं करना चाहते थे। माता ज्वाला के आमंत्रण को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि वह खिचड़ी ही खाते हैं वह भी भिक्षा मांग कर।इन बातों को सुनकर ज्वाला देवी ने खुद भी खिचड़ी खाने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने गुरु गोरखनाथ को भिक्षा मांगकर लाने भेज दिया और खुद अदहन गरम करने लगीं। इधर, गुरु गोरखनाथ भिक्षा मांगते हुए गोरखपुर तक आ पहुंचे। पौराणिक कथाओं में उल्लेख है कि तब यहां चारों तरफ जंगल और बेहद रमणीक दृश्य थे। गुरु गोरखनाथ यहीं एक स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गए। वहीं बगल में उनका खप्पर रखा था। ध्यान में लीन तपस्वी को देख लोग उनके खप्पर में खिचड़ी चढ़ाने लगे। लेकिन चाहे जितनी खिचड़ी चढ़ती वह खप्पर भरता न था। मान्यता है कि आज तक वह खप्पर नहीं भरा। कांगड़ा में ज्वाला माता का अदहन आज भी खौल रहा है। गुरु गोरक्षनाथ के तपबल, हठयोग और चमत्कारों की ख्याति देश–विदेश में है। हर साल मकर संक्रांति पर दूर–दूर से लोग यहां खिचड़ी चढ़ाने आते हैं।

मकर संक्रांति के दिन हर साल नेपाल राजवंश की खिचड़ी चढ़ती है। नेपाल की करेंसी और राजवंश के मुकुट पर गुरु गोरखनाथ की चरण पादुका और उनका नाम अंकित है। मकर संक्रांति पर खिचड़ी चढ़ाए जाने के बाद मंदिर की ओर से रोट का प्रसाद नेपाल राजमहल भेजा जाता है। वर्तमान में क्षेत्र से इतनी खिचड़ी चढ़ती है कि इससे अनेको सेवा प्रकल्प चलते है ।

'हम प्रजातंत्र के पुजारी हैं, वे दंगातंत्र के पुजारी हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 दिसंबर, 2021 को मेरठ में लगभग 23 हजार बूथ अध्यक्षों के साथ संवाद किया और उन्हें आगामी उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के संदर्भ में जीत के मंत्र दिए। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सर्वश्री स्वतंत्र देव सिंह, उप-मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, प्रदेश भाजपा प्रभारी राधा मोहन सिंह, चुनाव सह-प्रभारी कैप्टन अभिमन्यु, संगठन महामंत्री कर्मवीर, केंद्रीय मंत्री वीके सिंह, संजीव बालियान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश का काम देखनेवाले संजय भाटिया और क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेनीवाल सहित राज्य सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रीगण, विधायक, क्षेत्र के सांसद, प्रदेश और क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि बाकी दलों की जनसभा में जितनी संख्या होती है, उससे कहीं अधिक कार्यकर्ता तो भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में होते हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी है जहां गरीब से गरीब परिवार से आने वाले कार्यकर्ता भी अपने परिश्रम और मेधा के बल पर पार्टी का नेतृत्व कर सकते हैं, देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के पद को सुशोभित कर सकते हैं। बाकी सभी पार्टियों में एक विशेष परिवार में बेटा, भतीजा या चाचा होना जरूरी है। अब तो इन पार्टियों में वंशवाद इतना मजबूत हो चुका है कि चाचा भी किनारे कर दिए जा रहे हैं।

यह भारतीय जनता पार्टी है जहां गरीब से गरीब परिवार से आने वाले कार्यकर्ता भी अपने परिश्रम और मेधा के बल पर पार्टी का नेतृत्व कर सकते हैं, देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के पद को सुशोभित कर सकते हैं

समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर करारा प्रहार करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि सपा के नेता अपना पुराना चेहरा ढ़ककर नए चेहरे में आने का प्रयास कर रहे हैं। मैं आज स्पष्ट शब्दों में यह कहना चाहता हूं कि ये नई सपा नहीं है, ये वही सपा है। अखिलेश सरकार में 15 आतंकी पकड़े गए थे, तब सपा सरकार ने ये कहकर इन आतंकियों को छुड़ा लिया कि ये दोषी नहीं हैं। बाद में हाईकोर्ट के आदेश के बाद उन आतंकियों को फिर से गिरफ्तार किया गया, उन पर मुकद्दमा चला और वे दोषी करार दिए गए। इनका गुनाह इतना संगीन था कि इनमें से चार को फांसी हुई और कई को उम्रकैद हुई। ये वंशवाद प्रोडक्ट का जीता-जागता उदाहरण है कि किस तरह ये राष्ट्र हित को वोट की खातिर बेच डालते हैं। उत्तर प्रदेश की जनता को यह भी याद होगा कि किस तरह अखिलेश सरकार में प्रदेश के पूर्व डीजीपी और उनके साथ दर्जनों लोगों पर फर्जी तरीके से फंसाया गया, उन पर मुकद्दमे चलाये गए। उसके खिलाफ भी हमने लड़ाई लड़ी और न्याय की जीत हुई। हम प्रजातंत्र के पुजारी हैं, वे दंगातंत्र के पुजारी हैं। अखिलेश सरकार में 700 से अधिक दंगे हुए, 100 से अधिक लोगों ने इन दंगों में अपनी जानें गंवाईं। हमें 27 अगस्त, 2013 को शुरू हुआ मुजफ्फरनगर का दंगा भी याद है। हमें यह भी याद है कि किस तरह सचिन और गौरव की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई थी और फिर आरोपियों को अखिलेश सरकार ने छुड़ाया था।

आज उत्तर प्रदेश में हर जगह शांति है, कहीं भी साम्प्रदायिक तनाव नहीं है और विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। याद कीजिये कैराना की घटना, याद कीजिये अखिलेश सरकार में पलायन का दौर, याद कीजिये मुजफ्फरनगर के दंगे– यही तो है दंगा तंत्र। इस दंगा तंत्र को ख़त्म कर योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रजातंत्र की नींव पर अंत्योदय के सिद्धांत पर सर्वस्पर्शी और सर्व समावेशी विकास का नया अध्याय शुरू किया है।

श्री नड्डा ने कहा कि जहां तक उत्तर प्रदेश की बात है तो उत्तर प्रदेश में भी भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार ने किसानों को गन्ने का रिकॉर्ड भुगतान किया है। अब तक गन्ना किसानों को अकेले उत्तर प्रदेश में लगभग 1.41 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। ध्यान देने वाली बात यह है कि योगी सरकार ने अखिलेश सरकार के समय का भी बकाये का लगभग 11,000 करोड़ रुपये भुगतान किसानों को किया है। बसपा की सरकार और अखिलेश की सपा सरकार ने अपने शासनकाल में किसानों को जितना गन्ने का भुगतान किया था, उससे कहीं अधिक भुगतान भारतीय जनता पार्टी की योगी आदित्यनाथ सरकार में हुआ है। सपा-बसपा और कांग्रेस पर बरसते हुए श्री नड्डा ने कहा कि गन्ना का भुगतान हमारी विकास की नीति को रेखांकित करता है, जबकि जिन्ना उनकी राजनीति का आधार

है। हम गन्ने पर भी चुनाव लड़कर जनता का विश्वास जीतेंगे और जिन्ना वाली मानसिकता पर भी विजय प्राप्त करेंगे। मायावती सरकार के शासनकाल में लगभग 19 चीनी मिलें बंद हो गई और कई चीनी मिलें कौड़ियों के भाव बेच दी गईं। अखिलेश सरकार के समय भी लगभग 11 चीनी मिलें बंद हुईं लेकिन चीनी मिलों के खुलने का काम योगी आदित्यनाथ की भाजपा सरकार के समय शुरू हुआ है, हमारी सरकार में यूपी में एक भी चीनी मिल बंद नहीं हुई।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में हुए व्यापक सुधार की चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश में विकास को एक नया आयाम दिया है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर एक्सप्रेस-वे, गंगा लिंक एक्सप्रेस-वे, बाबा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, विंध्याचल कॉरिडोर जैसे अनेक उदाहरण इसकी बानगी है। आज उत्तर प्रदेश का बजट 5.12 लाख करोड़ रुपये है जो सर्वाधिक है। योगी आदित्यनाथ सरकार में उत्तर प्रदेश में लगभग 86 लाख किसानों के लगभग 36,000 रुपये का कृषि ऋण माफ़ हुआ है। ■

बूथ अध्यक्षों से संवाद, एटा

'हर बूथ पर कमल खिलाना जरूरी है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने उत्तर प्रदेश प्रवास के दूसरे दिन 12 दिसंबर, 2021 को एटा में ब्रज क्षेत्र के लगभग 28,222 बूथ अध्यक्षों के साथ संवाद किया और उन्हें विधान सभा चुनाव के मद्देनजर जीत का मंत्र दिया। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती बेबी रानी मौर्य, केंद्रीय मंत्री सर्वश्री अर्जुन राम मेघवाल, बीएल वर्मा, एसपी सिंह बघेल और राज्य सरकार में मंत्री सुरेश खन्ना, श्रीकांत शर्मा एवं क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद राजवीर सिंह सहित राज्य सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रीगण, विधायक, क्षेत्र के सांसद, प्रदेश और क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

विपक्ष पर हमला करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि किसानों का नेता होने का दावा करने वाले तो कई हुए लेकिन इन लोगों ने किसानों के नाम पर केवल नेतागिरी की, उनका भला नहीं किया। किसानों का कल्याण हुआ और कृषि का विकास हुआ तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में। कांग्रेस की सरकार में केवल एक बार किसानों का कर्ज माफ़ हुआ, वह भी केवल 57,000 करोड़ रुपये, जबकि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश के लगभग 11 करोड़ किसानों के बैंक एकाउंट में केवल एक योजना (किसान सम्मान निधि) में ही 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि पहुंचा दी है। भारत सरकार प्रति बोरी डीएपी पर 1200 रुपये की सब्सिडी दे रही है जिसके चलते 2400 रुपये की बोरी किसानों को महज 1200 रुपये में मिल रही है। करोड़ों किसान फसल बीमा योजना और स्वायल हेल्थ कार्ड योजना से लाभान्वित हुए हैं। किसान मानधन योजना के तहत लघु एवं सीमान्त किसानों के लिए मासिक पेंशन की व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री सिंचाई योजना से हर खेत तक पानी उपलब्ध कराया जा रहा है और खेत से लेकर खलिहान तक फसल सुरक्षा कवच तैयार किया गया है।

> **कांग्रेस की सरकार में केवल एक बार किसानों का कर्ज माफ़ हुआ, वह भी केवल 57,000 करोड़ रुपये जबकि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश के लगभग 11 करोड़ किसानों के बैंक एकाउंट में केवल एक योजना (किसान सम्मान निधि) में ही 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि पहुंचा दी है**

उन्होंने कहा कि जब मैं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री था तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से एटा में मेडिकल कॉलेज दिया गया। यूपी में दो-दो एम्स बनाए गए, कृषि विश्वविद्यालय स्थापित किया गया। डबल इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश में अब तक 30 मेडिकल कॉलेज बनाए जा चुके हैं और अगले साल तक ये बढ़कर 42 हो जायेंगे। अब उत्तर प्रदेश में स्टेट-वे की बजाय एक्स्प्रेस-वे का नेटवर्क बिछाया जा चुका है। कई रूट्स पर मेट्रो का काम शुरू हो गया है। आयुष्मान भारत, आवास योजना, गरीब कल्याण अन्न योजना– ये सभी उत्तर प्रदेश के विकास को गति दे रहे हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश स्तर पर भी कई लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों की शुरुआत की है जिसके बल पर उत्तर प्रदेश की जनता को डबल इंजन की सरकार में डबल लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश दंगा मुक्त और माफिया मुक्त राज्य बना है। उत्तर प्रदेश के विकास के लिए ऐसे लोगों को घर बिठाना और हर बूथ पर कमल खिलाना जरूरी है। ■

अर्थव्यवस्था के नौ चुनिंदा क्षेत्रों में रोजगार में 29 प्रतिशत की भारी वृद्धि

आईटी/बीपीओ क्षेत्र में 152 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई, जबकि स्वास्थ्य में 77 प्रतिशत, शिक्षा में 39 प्रतिशत, मैन्युफैक्चरिंग में 22 प्रतिशत, परिवहन में 68 प्रतिशत और निर्माण में 42 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई

अप्रैल से जून, 2021 की अवधि के लिए तिमाही रोजगार सर्वे (एक्यूईईएस) के पहले दौर के परिणाम के अनुसार छठी आर्थिक गणना (2013-14) के 9 चुनिंदा क्षेत्रों के सामूहिक 2.37 करोड़ की तुलना में नौ चुनिंदा क्षेत्रों में रोजगार बढ़कर 3.08 करोड़ हो गया। इस तरह रोजगार में 29 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई। आईटी/बीपीओ क्षेत्र में 152 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई, जबकि स्वास्थ्य में 77 प्रतिशत, शिक्षा में 39 प्रतिशत, मैन्युफैक्चरिंग में 22 प्रतिशत, परिवहन में 68 प्रतिशत और निर्माण में 42 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। यह जानकारी 20 दिसंबर को लोकसभा में केंद्रीय श्रम और रोजगार राज्यमंत्री श्री रामेश्वर तेली ने दी।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने अप्रैल, 2021 में अखिल भारतीय तिमाही प्रतिष्ठान आधारित रोजगार सर्वे (एक्यूईईएस) लॉन्च किया था।

वार्षिक सावधिक श्रम शक्ति सर्वे (पीएलएफएस) के अनुसार देश में सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) 2017-18 में 6, 2018-19 में 5.8 और 2019-20 में 4.8 है।

सरकार की प्राथमिकता रोजगार सृजन के साथ-साथ नियोजन के लिए कौशल में सुधार करना है। इसी के अनुसार भारत सरकार ने देश में रोजगार सृजन के लिए विभिन्न कदम उठाये हैं। भारत सरकार ठोस निवेश तथा सार्वजनिक व्यय वाली विभिन्न परियोजनाओं को प्रोत्साहन दे रही है। इनमें सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम मंत्रालय का प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), ग्रामीण विकास मंत्रालय की पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय का दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) तथा कौशल विकास और उद्यमता मंत्रालय की प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) हैं।

भारत सरकार ने व्यवसाय को प्रोत्साहित करने और कोविड-19 के नकारात्मक प्रभाव को दूर करने के लिए आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज के अंतर्गत सरकार 27 लाख करोड़ रुपये से अधिक का राजकोषीय प्रोत्साहन दे रही है। भारत सरकार की 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना' (पीएमजीकेवाई) ने कर्मचारी भविष्य निधि के अंतर्गत भारत 12 प्रतिशत नियोक्ता के शेयर और 12 प्रतिशत कर्मचारी के शेयर का योगदान दिया है। यह 15 हजार रुपये से कम आय वाले 90 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ 100 कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के लिए मार्च से अगस्त, 2020 के वेतन का कुल 24 प्रतिशत है।

सरकार ने रोजगार को प्रोत्साहित करने तथा घर से वापस आये श्रमिकों और 6 राज्यों— बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 116 चुनिंदा जिलों में युवाओं सहित समान रूप से प्रभावित व्यक्तियों को आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए 20 जून, 2020 को 125 दिनों का गरीब कल्याण रोजगार अभियान (जीकेआरए) लॉन्च किया। इस अभियान से 50.78 करोड़ मानव दिवसों का रोजगार सृजन हुआ।

आत्मनिर्भर भारत पैकेज 3.0 के भाग के रूप में 1 अक्तूबर, 2020 से आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (एबीआरवाई) लांच की गई। इसका उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा लाभों के साथ नये रोजगारों का सृजन और कोविड-19 महामारी के दौरान रोजगार को हुए नुकसान की भरपाई के लिए नियोक्ताओं को संवेदी बनाना है। यह योजना कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के माध्यम से लागू की जा रही है, इसका उद्देश्य नियोक्ताओं के वित्तीय बोझ को कम करना और उन्हें अधिक श्रमिकों को रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। लाभार्थियों के पंजीकरण के लिए अंतिम तिथि 30.06.2021 से बढ़ाकर 31.03.2022 तक कर दी गई है। 1.17 लाख प्रतिष्ठानों के माध्यम से 39.59 लाख लाभार्थियों को लाभ प्रदान किए गए हैं।

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना शहरी क्षेत्रों के स्ट्रीट वेंडरों को कामकाजी पूंजी ऋण प्रदान करने के लिए 1 जून, 2020 को लॉन्च की गई। ऐसे स्ट्रीट वेंडरों के व्यवसाय पर कोविड-19 के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। इस योजना के अंतर्गत 26.46 लाख लाभार्थियों को 2641.46 करोड़ रुपये दिये गये हैं।

स्वरोजगार में सुविधा प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) लागू की जा रही है। इसमें सूक्ष्म/लघु व्यवसाय उद्यमों तथा व्यक्तियों को अपनी व्यावसायिक गतिविधियां तेज करने या बढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए बिना गारंटी के 10 लाख रुपये तक के ऋण का प्रावधान है। योजना के अंतर्गत 31.28 करोड़ ऋण नवम्बर, 2021 तक मंजूर किए गए हैं।

इन पहलों के अतिरिक्त मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटी मिशन, अटल नवीकरण तथा शहरी परिवर्तन मिशन, सभी के लिए आवास, आधारभूत संरचना विकास, औद्योगिक गलियारों तथा उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) जैसे सरकार के अग्रणी कार्यक्रमों का उद्देश्य भी उत्पादक रोजगार के अवसरों का सृजन करना है।

सेमीकंडक्टरों और डिस्प्ले इकोसिस्टम के विकास के लिए 76,000 करोड़ रुपये के व्यापक कार्यक्रम को मिली मंजूरी

यह कार्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियों के उत्पादन में उच्च घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देगा और 2025 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था और 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के लक्ष्य तक पहुंचने में महत्वपूर्ण योगदान देगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 दिसंबर को भारत को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से देश में सेमीकंडक्टरों और डिस्प्ले इकोसिस्टम के विकास के लिए 76,000 करोड़ रुपये के व्यापक कार्यक्रम को मंजूरी दी। यह कार्यक्रम सेमीकंडक्टरों और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग के साथ-साथ डिजाइन के क्षेत्र में कंपनियों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहन पैकेज प्रदान करके इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियों के निर्माण में एक नए युग की शुरुआत करेगा। यह सामरिक महत्व तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता के इन क्षेत्रों में भारत के प्रौद्योगिकीय नेतृत्व के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा।

बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए पीएलआई, आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआई, स्पेक्स योजना तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी 2.0) योजना के लिए पीएलआई के तहत 55,392 करोड़ रुपये (7.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की प्रोत्साहन सहायता राशि को मंजूरी दी गई। इसके अलावा, एसीसी बैटरी, ऑटो घटकों, दूरसंचार तथा नेटवर्किंग उत्पादों, सौर पीवी मॉड्यूल एवं व्हाइट गुड्स सहित संबद्ध क्षेत्रों के लिए 98,000 करोड़ रुपये (13 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की पीएलआई प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई हैं। कुल मिलाकर, भारत सरकार ने आधारभूत बिल्डिंग ब्लॉक के रूप में देश को सेमीकंडक्टरों वाली इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियों के निर्माण के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए 2,30,000 करोड़ रुपए (30 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की सहायता दी है।

उपर्युक्त कार्यक्रम का उद्देश्य सिलिकॉन सेमीकंडक्टर फैब, डिस्प्ले फैब, कंपाउंड सेमीकंडक्टरों/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर (एमईएमएस सहित) फैब, सेमीकंडक्टर पैकेजिंग (एटीएमपी/ओएसएटी), सेमीकंडक्टर डिजाइन के काम में लगी हुई कंपनियों/संघों को आकर्षक प्रोत्साहन सहायता प्रदान करना है।

सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स की नींव हैं, जो उद्योग 4.0 के तहत डिजिटल परिवर्तन के अगले चरण की ओर आगे बढ़ा रहे हैं। सेमीकंडक्टरों और डिस्प्ले प्रणालियों का उत्पादन बहुत जटिल तथा प्रौद्योगिकी की अधिकता वाला क्षेत्र है, जिसमें भारी पूंजी निवेश, उच्च जोखिम, लंबी अवधि और पेबैक अवधि तथा प्रौद्योगिकी में तेजी से बदलाव शामिल हैं और इसके लिए अत्यधिक एवं निरंतर निवेश की आवश्यकता होती है। यह कार्यक्रम पूंजी सहायता और प्रौद्योगिकीय सहयोग की सुविधा प्रदान करके सेमीकंडक्टरों और डिस्प्ले प्रणाली के उत्पादन को बढ़ावा देगा।

वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में सेमीकंडक्टरों और डिस्प्ले के विश्वसनीय स्रोत रणनीतिक महत्व रखते हैं तथा महत्वपूर्ण सूचना बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। स्वीकृत कार्यक्रम भारत की डिजिटल संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए नवाचार को बढ़ावा देगा तथा घरेलू क्षमताओं का निर्माण करेगा। यह देश के जनसांख्यिकीय लाभांश का दोहन करने के लिए अत्यधिक कुशल रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा।

सेमीकंडक्टर एवं डिस्प्ले प्रणाली के विकास का वैश्विक मूल्य शृंखला के साथ गहन एकीकरण के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक प्रभाव पड़ेगा। यह कार्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियों के उत्पादन में उच्च घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देगा और 2025 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था और 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के लक्ष्य तक पहुंचने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। ■

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक लग चुके हैं 142.47 करोड़ से अधिक टीके

भारत का राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण 28 दिसंबर की सुबह 7 बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार 142.47 करोड़ (1,42,46,81,736) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 1,51,91,424 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया। महामारी की शुरुआत के बाद से देश में स्वस्थ होने वाले मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 3,42,43,945 हो गई है।

नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 98.40 % है। मार्च, 2020 के बाद से ये अधिकतम है। वर्तमान में 75,456 सक्रिय रोगी हैं। वर्तमान में ये सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मरीजों का 0.22 प्रतिशत हैं। यह मार्च, 2020 के बाद से सबसे कम है। भारत ने अब तक कुल 67.41 करोड़ (67,40,78,531) जांच की है। ■

नई पीढ़ी की परमाणु सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि पी' का सफल परीक्षण

'अग्नि पी' डुअल रिडनडेंट नेविगेशन तथा मार्गदर्शन प्रणाली के साथ एक दो चरणों वाली केनिस्ट्राइज्ड सॉलिड प्रोपेलेंट बैलिस्टिक मिसाइल है। इस उड़ान परीक्षण ने प्रणाली में एकीकृत सभी उन्नत प्रौद्योगिकियों के भरोसेमंद प्रदर्शन को साबित किया है

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 18 दिसंबर, 2021 को ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से नई पीढ़ी की परमाणु सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि पी' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। विभिन्न टेलीमेट्री, रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल स्टेशन और पूर्वी तट के साथ स्थित डाउन रेंज जहाजों ने मिसाइल ट्रेजेक्टरी और मानकों को ट्रैक किया तथा उनकी निगरानी की। इस मिसाइल ने उच्च स्तर की सटीकता के साथ सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा करते हुए अपने लक्ष्य का अनुसरण किया।

'अग्नि पी' डुअल रिडनडेंट नेविगेशन तथा मार्गदर्शन प्रणाली के साथ एक दो चरणों वाली केनिस्ट्राइज्ड सॉलिड प्रोपेलेंट बैलिस्टिक मिसाइल है। इस दूसरे उड़ान परीक्षण ने प्रणाली में एकीकृत सभी उन्नत प्रौद्योगिकियों के भरोसेमंद प्रदर्शन को साबित किया है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई दी और प्रणाली के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने कई अतिरिक्त विशेषताओं के साथ दूसरी विकास उड़ान परीक्षण करने के लिए टीम

के प्रयासों की सराहना की तथा एक ही कैलेंडर वर्ष के भीतर लगातार सफलता के लिए बधाई दी। ■

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 60% से अधिक की तीव्र गति से बढ़ा

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए 16 दिसंबर, 2021 तक के प्रत्यक्ष कर संग्रह के आंकड़े बताते हैं कि पिछले वित्तीय वर्ष यानी वित्त वर्ष 2020-21 की इसी अवधि में 5,87,702.9 करोड़ रुपये की तुलना में जारी वित्तीय वर्ष में कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 9,45,276.6 करोड़ रुपये है जो 60.8% की वृद्धि दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में (16.12.2021 तक) कुल संग्रह ने वित्त वर्ष 2019-20 की इसी अवधि के कुल संग्रह पर 40% की वृद्धि दर्ज की है, जब कुल संग्रह 6,75,409.5 करोड़ रुपये हुआ था और वित्त वर्ष 2018-19 की इसी अवधि के कुल संग्रह 6,70,739.1 करोड़ रुपये पर 40.93% की वृद्धि दर्ज की है।

कुल 9,45,276.6 करोड़ रुपये (16.12.2021 तक) के प्रत्यक्ष कर संग्रह में 5,15,870.5 करोड़ रुपये (कुल रिफंड) निगम कर (सीआईटी) और सुरक्षा लेनदेन कर (एसटीटी) सहित 4,29,406.1 करोड़ रुपये (कुल रिफंड) का व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल है। वित्तीय वर्ष 2021-22 (16.12.2021 तक) के लिए प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (रिफंड के लिए समायोजन से पहले) पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में कुल 7,33,715.2 करोड़ रुपये की तुलना में 10,80,370.2 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2019-20 में इसी अवधि के लिए सकल संग्रह 8,34,398 करोड़ रुपये और वह वित्त वर्ष 2018-19 के लिए सकल संग्रह 7,96,342 करोड़ रुपये था।

कुल 10,80,370.2 करोड़ रुपये के सकल संग्रह में 6,05,652.6 करोड़ रुपये का निगम कर (सीआईटी) और सुरक्षा लेनदेन कर (एसटीटी) सहित 4,74,717.6 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल है। लघु शीर्षवार संग्रह (16.12.2021 तक) में 4,59,917.1 करोड़ रुपये का अग्रिम कर, 4,93,171.7 करोड़ रुपये स्रोत पर कर कटौती (टीडीसी), 74,336.2 करोड़ रुपये का स्व-मूल्यांकन कर, 44,028.7 करोड़ रुपये का नियमित मूल्यांकन कर, 6,525.9 करोड़ रुपये का लाभांश वितरण कर और अन्य मामूली शीर्षों के तहत 2390.6 करोड़ रुपये का कर शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 की पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही के लिए 16.12.21 तक संचयी अग्रिम कर संग्रह 4,59,917.1 करोड़ रुपए है जबकि इसके ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष यानी 2020-21 की इसी अवधि के लिए यह 2,99,620.5 करोड़ रुपये थी। इस पर वर्ष 2020-21 का अग्रिम कर संग्रह 53.5% (लगभग) की वृद्धि दर्शाता है। इसके अलावा, 16.12.2021 (वित्त वर्ष 2021-22) को 4,59,917.1 करोड़ रुपये का संचयी अग्रिम कर संग्रह पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में इसी अवधि में अग्रिम कर संग्रह (संचयी) 3,18,929.4 करोड़ रुपये की तुलना में 44.21% की वृद्धि दर्शाता है और वित्त वर्ष 2018-19 में इसी अवधि में अग्रिम कर संग्रह (संचयी) 3,07,096.3 करोड़ रुपये पर 49.76% की वृद्धि दर्शाता है। ■

सिद्धांत और नीतियां

पं. दीनदयाल उपाध्याय

जनवरी, 1965 में विजयवाड़ा में जनसंघ के बारहवें सार्वदेशिक अधिवेशन में स्वीकृत दस्तावेज

राष्ट्रीय सुरक्षा

राष्ट्र की सीमाओं का व्याप, उनकी स्थिति, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, पड़ोसियों की नीति और तैयारी का ध्यान रखकर सुरक्षा बल की सभी शाखाओं का पर्याप्त विकास कर उन्हें आधुनिकतम शस्त्रास्त्रों से सुसज्जित किया जाए।

देश की अर्थनीति और विदेश नीति के निर्धारण में सुरक्षा की आवश्यकताओं पर विशेष बल दिया जाए। राष्ट्र को मानसिक एवं शारीरिक, दोनों दृष्टियों से सुरक्षा सन्नद्ध करने के लिए जनसंघ निम्नलिखित कदम उठाना आवश्यक समझता है-

1. राष्ट्र के युवकों के लिए दो वर्ष की अनिवार्य सैनिक भरती।
2. सुरक्षा सेनाओं की सभी शाखाओं का स्वरूप और अंतःस्फूर्ति दोनों दृष्टियों से पूर्ण भारतीयकरण।
3. रक्षा संबंधी उद्योगों का पर्याप्त विकास।
4. परमाणु अस्त्रों का निर्माण।
5. एक विशाल प्रादेशिक सेना का संगठन।

सीमांत क्षेत्रों का विकास

सीमांत क्षेत्रों के विकास की विशेष व्यवस्था होनी चाहिए तथा वहां के निवासियों को पूर्णतः सुसज्जित किया जाए, जिससे वे एक दृढ रक्षापंक्ति का काम कर सकें तथा सीमा के छोटे-मोटे उल्लंघनों को रोक सकें। पाकिस्तान से लगी सीमा के क्षेत्रवासी पाकिस्तान की घुसपैठ की योजनाओं को निष्फल करने में समर्थ हो सकें, इस दृष्टि से उस क्षेत्र की रचना की जाए।

भाषा नीति

भारत में अनेक भाषाएं और बोलियां हैं। वे भारतीय जीवन की आधारभूत एकता की अभिव्यक्ति का प्रभावी माध्यम रही हैं। उनमें कोई प्रकृति भेद नहीं है, प्रत्युत उनका संस्कृत के साथ आधारभूत संबंध होने के कारण तथा समान विचारधारा, समान धर्म, समान ज्ञान-विज्ञान होने के कारण उनकी एक बड़ी समान शब्दावली है तथा एक ही समाज की भावनाओं की अभिव्यक्ति के कारण उनके साहित्य की आत्मा एक है। पश्चिम के ज्ञान और विज्ञान को प्रकट करने के लिए आज सभी भारतीय भाषाओं में पारिभाषिक शब्दावली के सृजन की आवश्यकता है। केंद्र के निर्देशन में समान शब्दावली का निर्माण इस कार्य को सुकर बनाएगा तथा इन भाषाओं के स्वरूप की निकटता को आगे बढ़ाएगा।

शासन और शिक्षा, उद्योग और व्यापार सभी क्षेत्रों में स्वभाषाओं का प्रयोग स्वराज्य की स्वाभाविक परिणति है। राष्ट्रीय मनीषा को प्रकट करनेवाले जन-व्यवहार तथा जन आंदोलनों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं के प्रयोग क्षेत्र का एक ऐतिहासिक तथ्य के रूप में विकास हुआ है। हमारा कर्तव्य है कि इस ऐतिहासिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं। शासन एवं शिक्षा के क्षेत्र की भाषा नीति का निर्धारण इसी आधार पर होना चाहिए।

राष्ट्रभाषा संस्कृत

संस्कृत सदैव से भारत की राष्ट्रभाषा रही है। संस्कृत को इस रूप में मान्यता मिलनी चाहिए तथा विशेष संस्कार के अवसरों पर उसका प्रयोग करना चाहिए।

राजभाषा

भारत की भाषाओं में हिंदी ही सर्वाधिक समझी जानेवाली तथा पिछले अनेक वर्षों अखिल भारतीय भाषा के रूप में विकासमान भाषा है। संविधान ने उसे केंद्रीय भाषा के रूप में अंगीकार कर इस तथ्य को स्वीकार किया है। देवनागरी लिपि में हिंदी का प्रयोग केंद्रीय राजभाषा के रूप में होना चाहिए।

विभिन्न प्रदेशों में वहां की भाषाएं राज-काज में प्रयुक्त होनी चाहिए। केंद्रीय शासन के जिन विभागों का जनता के साथ सीधा संबंध है, वहां क्षेत्रीय भाषाओं का व्यवहार हो।

भारतीय भाषाओं के राजभाषा के रूप में व्यवहार के कारण राजसेवा में भरती तथा पदोन्नति के संबंध में उन व्यक्तियों के मन में आशंकाएं पैदा हो सकती हैं, जिनको इन भाषाओं का पर्याप्त ज्ञान नहीं है। अंतरिम काल के लिए उन्हें इस विषय में आश्वस्ति देनी चाहिए।

अनुसूचित भाषाएं

भारत की सभी भाषाएं राष्ट्रीय भाषाएं हैं। अतः भारत के किसी भी भू-भाग में किसी भी अनुसूचित भाषा में प्रशासनाधिकारियों को आवेदन देने पर प्रतिबंध नहीं होना चाहिए। सिंधी का अनुसूचित भाषाओं में समावेश हो।

उर्दू अलग भाषा न होकर हिंदी की एक शैली है, जिसका साहित्य में महत्त्वपूर्ण स्थान है। उसके विकास के लिए आवश्यक है कि वह नागरी लिपि में लिखी जाए।

संविधान में अनुसूचित भाषाओं के अतिरिक्त भी भारत में अनेक लोकभाषाएं हैं। इनका विकास तथा संबंधित क्षेत्रीय भाषा के साथ उनका निकट का संबंध दोनों के लिए पोषक होगा तथा हमारे साहित्य को सही अर्थ में जनजीवन का आदर्श बनाएगा।

शिक्षा

शिक्षा व्यक्ति का सामाजिक अधिकार है। शिक्षा के द्वारा व्यक्ति समाज के साथ एकात्म होता है तथा अपने व्यक्तित्व की साधना के मार्ग तथा लक्ष्य को पाता है। शिक्षा के सहारे मानव की अद्यतन संचित ज्ञाननिधि हस्तांतरित होती है। इस पूंजी को लेकर ही मानव समष्टि को अपना योगदान करता है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को इस योग्य बनाना है कि वह अपनी वृत्ति का अनुपालन करता हुआ राष्ट्र के एक उत्तरदायी एवं संवेदनशील घटक के के नाते अपने कर्तव्यों का निर्वाह कर सके। साक्षरता, पुस्तक ज्ञान तथा तंत्रपटुता के साथ शारीरिक शक्ति का विकास, बुद्धि उद्बोधन, शील-संवर्धन, आदर्शों का प्रतिस्थापन, सामाजिकता एवं शिष्टाचार का स्वभाव-निर्माण शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य हैं। स्पष्ट है कि यह शिक्षा राष्ट्रीय जीवन मूल्यों से अलग हटकर नहीं दी जा सकती। इस दृष्टि से शिक्षा के भारतीयकरण तथा अभिनवीकरण की आवश्यकता है, जिसकी कमी का अनुभव बहुत दिनों से व्यापक रूप से होते हुए भी उसे पूरा करने केलिए कोई क़दम नहीं उठाए गए।

शिक्षा व्यक्ति का सामाजिक अधिकार है। शिक्षा के द्वारा व्यक्ति समाज के साथ एकात्म होता है तथा अपने व्यक्तित्व की साधना के मार्ग तथा लक्ष्य को पाता है

शिक्षा व्यवस्था

प्रजा को शिक्षा की उपेक्षा न करने देना, शिक्षा संबंधी कार्यों में उनकी सहायता करना, प्रत्येक स्थान पर विद्वान् गुरुओं का प्राचुर्य रखना, देशकाल निमित्तों को शिक्षा के अनुकूल रखना, स्थान-स्थान पर शिक्षाश्रमों की व्यवस्था करना, स्नातकों एवं आचार्यों का योगक्षेम करना, सर्वतः उनके उत्साह को बढ़ाए रखना राज्य के परंपरागत कर्तव्य हैं।

राज्य की शिक्षा नीति का निम्नलिखित लक्ष्य होना चाहिए

1. माध्यमिक स्तर तक प्रत्येक बालक और बालिका के लिए अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा का प्रबंध। यह स्तर इतना हो कि व्यक्ति विषयों के सामान्य ज्ञान के साथ आवश्यकतानुसार जीविकोपार्जन की क्षमता प्राप्त कर सके।
2. उच्च शिक्षा के लिए इच्छुक विद्यार्थियों के शिक्षण की उपयुक्त एवं पर्याप्त व्यवस्था।

स्वायत्त शिक्षा

शिक्षा का व्यय राज्य द्वारा वहन होने के उपरांत भी उसका सरकारीकरण नहीं होना चाहिए। प्रत्येक क्षेत्र में शिक्षा संस्थाओं का प्रबंध करने के लिए शिक्षकों तथा शिक्षाविदों के स्वायत्त निकाय होने चाहिए। सरकार के विभाग के रूप में उनका चलाना ठीक नहीं। सरकारी और ग़ैर-सरकारी शिक्षण संस्थाओं का भेद समाप्त कर देना चाहिए। सभी क्षेत्रों के शिक्षकों के वेतनक्रम एवं अन्य सुविधाएं ऐसी हों, जिससे योग्य व्यक्ति शिक्षा के क्षेत्र में आने में संकोच न करे। शिक्षा संस्थाओं को मैनेजरों अथवा प्रबंध समिति की निजी संपत्ति बनने देना उचित नहीं।

शिक्षा समाज में भेद निर्माण करनेवाली न होकर उसमें एकात्म भाव निर्माण करनेवाली हो। भारत के 'पब्लिक स्कूल' इस उद्देश्य के प्रतिकूल हैं। आवश्यकता है कि सभी शिक्षण संस्थाओं का स्तर ऊंचा उठाया जाए।

शिक्षा का माध्यम

स्वभाषा के बिना जनता का विकास संभव नहीं है। जब तक भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम नहीं बनाया जाता, तब तक न तो हम सभी जनों को साक्षर और शिक्षित कर सकेंगे और न उस पैमाने पर तंत्र एवं अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञ उत्पन्न कर सकेंगे, जिनकी हमारी विकास योजनाओं को आवश्यकता है। मौलिक चिंतन तथा खोज तो परायी भाषा द्वारा प्राप्त ज्ञान में सहज संभव ही नहीं।

जनसंघ अंग्रेज़ी या अन्य विदेशी भाषाओं का विरोधी नहीं। दुनिया के विभिन्न देशों के साथ संपर्क बढ़ाने तथा ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए हमें अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच, रूसी, स्पैनिश, जापानी, स्वाहिली, अरबी, फारसी आदि अनेक भाषाओं का अध्ययन करना होगा। आज शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी के प्रभुत्व एवं एकाधिकार ने हमें इन भाषाओं से भी दूर कर दिया है। फलतः आज हम दुनिया को अंग्रेजी भाषा-भाषी जगत् के चश्मे से ही देख रहे हैं। अंग्रेजी हमको दुनिया के साथ जोड़नेवाली कड़ी नहीं, बल्कि बहुत बड़े भाग से तोड़नेवाली कड़ी सिद्ध हो रही है।

शिक्षा क्षेत्र में भाषा के संबंध में यह नीति होनी चाहिए—

1. प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में दी जाए।
2. माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा प्रादेशिक भाषा के माध्यम से दी जाए और हिंदी का अध्ययन अनिवार्य हो।
3. हिंदीभाषी विद्यार्थियों के लिए किसी अन्य भारतीय भाषा का ज्ञान आवश्यक हो।
4. राष्ट्र-भाषा संस्कृत की शिक्षा अनिवार्य हो।

जहां क्षेत्रीय भाषा के अतिरिक्त किसी दूसरी भाषा के विद्यार्थियों की पर्याप्त संख्या हो, वहां उस भाषा के माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था की जाए। हिंदी माध्यम से पढ़ानेवाली शिक्षण संस्थाओं की देश भर में व्यवस्था हो।

युवा आगे आकर, भारत के भाग्य विधाता बनें : नरेन्द्र

स्वामी विवेकानंद की जयंती का ये दिन, हम सभी को नई प्रेरणा देता है। आज का दिन विशेष इसलिए भी हो गया है कि इस बार युवा संसद, देश की संसद के सेंट्रल हॉल में हो रही है। ये सेंट्रल हॉल हमारे संविधान के निर्माण का गवाह है। देश के अनेक महान व्यक्तियों ने यहां आज़ाद भारत के लिए फैसले लिए, भारत के भविष्य के लिए चिंतन किया। भविष्य के भारत को लेकर उनका सपना, उनका समर्पण, उनका साहस, उनका सामर्थ्यय, उनके प्रयास, इसका एहसास आज भी सेंट्रल हॉल में होता है और साथियों, आप जहां बैठे हैं, उसी सीट पर जब संविधान की निर्माण प्रक्रिया चली थी, इस देश के किसी न किसी गणमान्यै महापुरुष वहां बैठे होंगे, आज आप उस सीट पर बैठे हैं। मन में कल्पना कीजिए कि जिस जगह पर देश के वो महापुरुष बैठे थे आज वहां आप बैठे हैं। देश को आपसे कितनी अपेक्षाएं हैं। मुझे विश्वास है, ये अनुभव इस समय सेंट्रल हॉल में बैठे सभी युवा साथियों को भी हो रहा होगा।

आप सभी ने जो यहां संवाद किया, मंथन किया, वो भी बहुत महत्वपूर्ण है। इस दौरान स्पर्धा में जो विजेता हुए हैं, उनको मैं बधाई देता हूं, अपनी शुभकामनाएं देता हूं। और यहां जब मैं आपको सुन रहा था तो मुझे विचार आया और इसलिए मैंने मन ही मन तय किया कि आपके जो भाषण हैं, उसको मैं आज मेरे ट्वीटर हैंडल पर से ट्वीट करूंगा। और आप तीन का ही करूंगा, ऐसा नहीं अगर रिकार्डेड मेटेरियल available होगा तो मैं जो कल फाइनल पैनल में थे उनके लिए भी उनके भाषण को ट्वीट करूंगा ताकि देश को पता चले कि संसद के इस परिसर में हमारे भावी भारत कैसे आकार ले रहा है। मेर लिए ये बहुत गर्व की बात होगी कि मैं आज आपके भाषण को ट्वीट करूंगा।

स्वामी जी ने जो देश और समाज को दिया है, वो समय और स्थान से परे, हर पीढ़ी को प्रेरित करने वाला है, रास्ता दिखाने वाला है। आप देखते होंगे कि भारत का शायद ही ऐसा कोई गाँव हो, कोई शहर हो, कोई व्यक्ति हो, जो स्वामी जी से खुद को जुड़ा महसूस न करता हो, उनसे प्रेरित न होता हो। स्वामी जी की प्रेरणा ने आजादी की लड़ाई को भी नई ऊर्जा दी थी। गुलामी के लंबे कालखंड ने भारत को हज़ारों वर्षों की अपनी ताकत और ताकत के एहसास से दूर कर दिया था। स्वामी विवेकानंद ने भारत को उसकी वो ताकत याद दिलाई, अहसास कराया, उनमें सामर्थ्य को, उनके मन–मष्तिष्क को पुनर्जीवित किया, राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। आप ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि उस समय क्रांति के मार्ग से भी और शांति के मार्ग से भी दोनों ही तरह से जो आजादी के लिए जंग चल रहा था, आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे वो कहीं न कहीं स्वामी विवेकानंद जी से प्रेरित थे। उनकी गिरफ्तारी के समय, फांसी के समय, स्वामी जी से जुड़ा साहित्य जरूर पुलिस के हाथ आता था। तब इसका बाकायदा अध्ययन करवाया गया था कि स्वामी विवेकानंद जी के विचारों में ऐसा क्या है जो लोगों को देशभक्ति के लिए, राष्ट्रनिर्माण के लिए, आजादी के लिए मर–मिटने की प्रेरणा देता है, हर नौजवान के मस्तिष्क को इतना प्रभावित करता है। समय गुजरता गया, देश आजाद हो गया, लेकिन हम आज भी देखते हैं स्वा्मी जी हमारे बीच ही होते हैं, प्रतिपल हमें प्रेरणा देते हैं, उनका प्रभाव हमारी चिंतनधारा में कहीं न कहीं नजर आता है। अध्यात्म को लेकर उन्होंने जो कहा, राष्ट्रवाद–राष्ट्रनिर्माण–राष्ट्र हित को लेकर उन्होंने जो कहा, जनसेवा से जगसेवा को लेकर उनके विचार आज हमारे मन–मंदिर में उतनी ही तीव्रता से प्रवाहित होते हैं। मुझे विश्वास है, आप युवा साथी भी इस बात को जरूर महसूस करते होंगे। कहीं पर भी विवेकानन्दप जी की तस्वीर देखते होंगे, कल्पकना तक आपको नहीं होगी, मनोमन आपके मन में एक श्रद्धा का भाव जगता होगा, सर उनको नमन

करता होगा, ये अवश्य होता होगा।

स्वामी विवेकानंद ने एक और अनमोल उपहार दिया है। ये उपहार है, व्यक्तियों के निर्माण का, संस्थाओं के निर्माण का। इसकी चर्चा बहुत कम ही हो पाती है। लेकिन हम अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि स्वामी विवेकानंद ने ऐसी संस्थाओं को भी आगे बढ़ाया जो आज भी व्यक्तित्व के निर्माण का काम बखूबी कर रही हैं। उनके संस्कासर, उनका सेवाभाव, उनका समर्पण भाव लगातार जगाती रहती है। व्यक्ति से संस्था का निर्माण और संस्था से अनेक व्यक्तियों का निर्माण, ये एक अनवरत–अविलम्ब–अबाधित चक्र है, जो चलता ही जा रहा है। लोग स्वामी जी के प्रभाव में आते हैं, संस्थानों का निर्माण करने की प्रेरणा लेते हैं, संस्था का निर्माण करते हैं, फिर उन संस्थानों से उसकी व्यंवस्थार से, प्रेरणा से, विचार से, आदर से ऐसे लोग निकलते हैं जो स्वामी जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए नए लोगों को खुद से जोड़ते चलते हैं। Individual से Institutions और Institutions से फरि Individual ये चक्र आज भारत की बहुत बड़ी ताकत है। आप लोग entrepreneurship के बारे में बहुत सुनते हैं। वो भी तो कुछ यही है। एक brilliant individual, एक शानदार कंपनी बनाता है। बाद में उस कंपनी में जो इकोसिस्टम बनता है, उसकी वजह से वहां अनेकों brilliant individuals बनते हैं। ये Individuals आगे जाकर और नई कंपनियां बनाते हैं। Individuals और Institutions का ये चक्र देश और समाज के हर क्षेत्र, हर स्तर के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है।

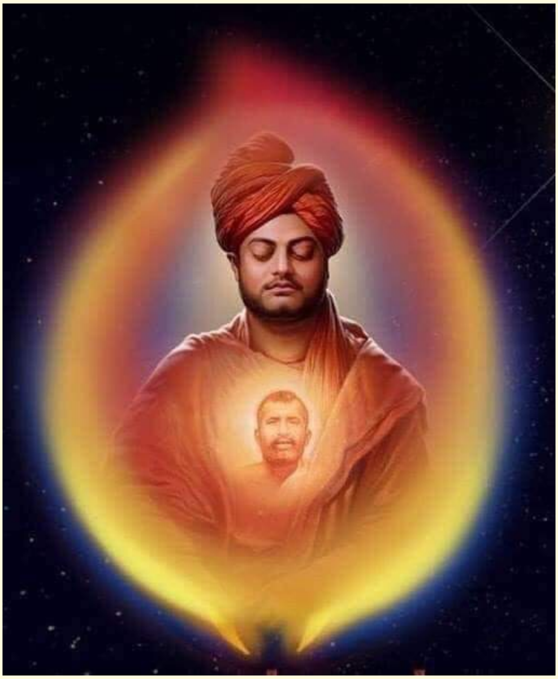

आज जो देश में नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी लागू की गई है, उसका भी बहुत बड़ा फोकस बेहतर ndividuals के निर्माण पर है। व्यशक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण ये पॉलिसी, युवाओं की इच्छा, युवाओं के कौशल, युवाओं की समझ, युवाओं के फैसले को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। अब आप चाहे जो सबजेक्ट चुनिए, चाहे जो कॉम्बिनेशन चुनिए, चाहे जो स्ट्रीम चुनिए। एक कोर्स को ब्रेक देकर आप दूसरा कोर्स शुरू करना चाहें तो आप वो भी कर सकते हैं। अब ये नहीं होगा कि पहले वाले कोर्स के लिए आपने जो मेहनत की थी, वो बेकार हो जाएगी। आपको उतनी पढ़ाई का भी सर्टिफिकेट मिल जाएगा, जो आगे ले जाएगा।

आज देश में एक ऐसा इकोसिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिसकी तलाश में अक्सर हमारे युवा विदेशों का रुख करते थे। वहां की आधुनिक शिक्षा, बेहतर Entreprise Opportunities, टैलेंट को पहचानने वाली, सम्मान देने वाली व्यवस्था उन्हें स्वाभाविक रूप से आकर्षित करती थी। अब देश में ही ऐसी व्यवस्था हमारे युवा साथियों को मिले, इसके लिए हम प्रतिबद्ध भी हैं, हम प्रयासरत भी हैं। हमारा युवा खुलकर अपनी प्रतिभा, अपने सपनों के अनुसार खुद को विकसित कर सके, इसके लिए आज एक इन्वायरमेंट तैयार किया जा रहा है, इको–सिस्टम तैयार की जा रही है, शिक्षा व्यवस्था हो, समाज व्यवस्था हो, कानूनी बारीकियां हो, हर चीज में इन बातों को केन्द्र में रखा जा रहा है। स्वामी जी का बहुत जोर, उस बात पर भी था, जिसको हमें कभी नहीं भूलना चाहिए। स्वामी जी हमेशा कहते थे और वो इस बात पर बल देते थे, वे शारीरिक ताकत पर भी बल देते थे, मानसिक ताकत पर भी बल देते थे। वो कहते थे Muscles of Iron and Nerves of Steel-.। उनकी प्रेरणा से आज भारत के युवाओं की शारीरिक और मानसिक फिटनेस पर विशेष फोकस किया जा रहा है। Fit India Movement हो, योग के प्रति जागरूकता हो या फिर ेचवतजे से जुड़े आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण, ये युवाओं को मानसिक और शारीरिक रुप से सुदृढ़ कर रहे हैं।

आजकल आप लोग कुछ Terms बार–बार सुनते होंगे, आपके कान पर आता रहता है। Personality Development और Team Management इनकी बारीकियों को भी आप स्वामी विवेकानंद का अध्ययन करने के बाद और आसानी से समझ पाएंगे। Personality development का उनका मंत्र था– *Believe in Yourself* अपने–आप पर भरोसा करो, अपने–आप पर विश्वास करो। Leadership का उनका मंत्र था– *Believe in All* वो कहते थे–"पुराने धर्मों के मुताबिक नास्तिक वो है जो ईश्वर में भरोसा नहीं करता। लेकिन नया धर्म कहता है नास्तिक वो है जो खुद में भरोसा नहीं करता।" और जब नेतृत्व की बात आती थी, तो वो खुद से भी पहले अपनी टीम पर भरोसा जताते थे। मैंने कहीं पढ़ा था, वो किस्सा मैं आपको भी सुनाना चाहता हूं। एक बार स्वामी जी

अपने साथी स्वामी शारदानंद जी के साथ लंदन में एक पब्लिक लैक्चर के लिए गए थे। सब तैयारी हो चुकी थी, सुनने वाले इकट्ठा हो चुके थे और स्वाभाविक है, हर कोई स्वामी विवेकानन्द को सुनने के लिए आकर्षित होकर आया था। लेकिन जैसे ही बोलने का नंबर आया तो स्वामी जी ने कहा कि आज भाषण मैं नहीं बल्कि मेरे सहयोगी शारदानंद जी देंगे!शारदानंद जी ने तो सोचा भी नहीं था कि अचानक उनके जिम्मे काम आ जाएगा! वो इसके लिए तैयार भी नहीं थे। लेकिन जब शारदानंद जी ने भाषण देना शुरू किया तो हर कोई चकित हो गया, उनसे प्रभावित हो गया और उनसे प्रभावित हुआ। ये होती है लीडरशिप और अपनी टीम के लोगों पर भरोसा करने की ताकत! आज हम जितना स्वामी विवेकानंद जी के बारे में जानते हैं, उसमें बहुत बड़ा योगदान स्वामी शारदानंद जी का ही है।

ये स्वामी जी ही थे, जिन्होंने उस दौर में कहा था कि निडर, बेबाक, साफ दिल वाले, साहसी और आकांक्षी युवा ही वो नींव है जिस पर राष्ट्र के भविष्य का निर्माण होता है। वो युवाओं पर, युवा शक्ति पर इतना विश्वास करते थे। अब आपको, उनके इस विश्वास की कसौटी पर खरा उतरना है। भारत को अब नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम, देश को आत्मनिर्भर बनाने का काम आप सब युवाओं को ही करना है। अब आप में से कुछ युवा सोच सकते हैं कि अभी तो हमारी इतनी उम्र ही नहीं हुई है। अभी तो हंसने, खेलने, जिंदगी में मौज करने की उम्र है। साथियों, जब लक्ष्य स्पष्ट हो, इच्छाशक्ति हो, तो उम्र कभी बाधा नहीं बनती है। उम्र इतनी मायने नहीं रखती। आप हमेशा याद रखिएगा कि गुलामी के समय में आजादी के आंदोलन की कमान युवा पीढ़ी ने ही संभाली थी। जानते हैं शहीद खुदीराम बोस जब फांसी पर चढ़े तो उनकी उम्र क्या थी? सिर्फ 18–19 साल। भगत सिंह को फांसी लगी तो उनकी उम्र कितनी थी? सिर्फ 24 साल। भगवान बिरसा मुंडा जब शहीद हुए तो उनकी आयु कितनी थी? बमुश्किल 25 साल। उस पीढ़ी ने ये ठान लिया था कि देश की आजादी के लिए ही जीना है, देश की आजादी के लिए मरना है। लॉयर्स, डॉक्टर्स, प्रोफेसर्स, बैंकर्स, अलग–अलग प्रोफेशन से Young Generation के लोग निकले और सबने मिलकर हमें आजादी दिलाई।

हम उस कालखंड में पैदा हुए हैं, मैं भी आजाद हिन्दुस्तान में जन्मा हूं। मैंने गुलामी देखी नहीं है और मेरे सामने आप जो बैठे हैं, आप सब भी आजादी में पैदा हुए हैं। हमें देश की स्वतंत्रता के लिए मरने का मौका नहीं मिला लेकिन हमें आजाद भारत को आगे बढ़ाने के लिए मौका जरूर मिला है। ये मौका हमें गवांना नहीं है। देश के मेरे युवा साथियों, आजादी के 75 साल से लेकर आजादी के 100 साल होने आने वाले 25–26 साल बहुत ही महत्वपूर्ण है। 2047 जब आजादी के 100 साल होंगे। ये 25–26 साल की यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है। साथियों, आप भी सोचिए, आप आज जिस उम्र में हैं अब से जो समय शुरू हो रहा है अपना वो आपके जीवन का स्वर्णिम काल है, उत्तम काल है और वही कालखंड भारत को भी आजादी के 100 साल की तरफ ले जा रहा है। मतलब आपके विकास की उंचाइयां, आजादी के 100 साल की सिद्धियां, दोनों कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं, मतलब आपकी जिंदगी के आने वाले 25–26 साल, देश के आने वाले 25–26 साल के बीच बहुत बड़ा तालमेल है, बहुत बड़ी अहमियत है। अपने जीवन के इन वर्षों में सर्वोच्च प्राथमिकता देश को दीजिए, देश की सेवा को दीजिए। विवेकानंद जी कहते थे कि ये सदी भारत की है। इस सदी को भारत की सदी, आपको ही बनाना है। आप जो भी करिए, जो भी फैसला लीजिए, उसमें ये जरूर सोचिए कि इससे देश का क्या हित होगा?

स्वामी विवेकानंद जी कहते थे कि हमारे युवाओं को आगे आकर राष्ट्र का भाग्यविधाता बनना चाहिए। इसलिए ये आपकी ज़िम्मेदारी है कि भारत के भविष्य का नेतृत्व करें। और आपकी ये ज़िम्मेदारी देश की राजनीति को लेकर भी है। क्योंकि राजनीति Politics देश में सार्थक बदलाव लाने का एक सशक्त माध्यम है। हर क्षेत्र की तरह Politics को भी युवाओं की बहुत ज्यादा जरूरत है। नई सोच, नई ऊर्जा,

नए सपने, नया उमंग देश की राजनीति को इसकी बहुत जरूरत है।

पहले देश में ये धारणा बन गई थी कि अगर कोई युवक राजनीति की तरफ रुख करता था तो घर वाले कहते थे कि अब बच्चा बिगड़ रहा है। क्योंकि राजनीति का मतलब ही बन गया था– झगड़ा, फसाद, लूट–खसोट, भ्रष्टाचार! न जाने क्या–क्या लेबल लग गए थे। लोग कहते थे कि सब कुछ बदल सकता है लेकिन सियासत नहीं बदल सकती। लेकिन आज आप देखिए, आज देश की जनता, देश के नागरिक इतने जागरूक हुए हैं कि राजनीति में वो ईमानदार लोगों के साथ खड़े होते हैं। ईमानदार लोगों को मौका देते हैं। देश की सामान्य जनता ईमानदार, समर्पित, सेवाभावी, राजनीति में आए हुए लोगों के साथ डटकर खड़ी रहती है। Honesty –Performance आज की राजनीति की पहली अनिवार्य शर्त होती जा रही है। और देश में जो जागरूकता आई है उसने यह दवाब पैदा किया है। भ्रष्टाचार जिनकी legacy थी, उनका भ्रष्टाचार ही आज उन पर बोझ बन गया है। और यह देश के सामान्य नागरिक की जागरुकता की ताकत है वो लाख कोशिशों के बाद भी इससे उबर नहीं पा रहे हैं। देश अब ईमानदारों को प्यार दे रहा है, ईमानदारों को आशीर्वाद दे रहा है, ईमानदारों के साथ अपनी ताकत खड़ी कर देता है, अपना विश्वास दे रहा है। अब जनप्रतिनिधि भी ये समझने लगे हैं कि अगले चुनावों में जाना है तो CV स्ट्रॉग होना चाहिए, कामों का हिसाब पुख्ता होना चाहिए। लेकिन साथियों, कुछ बदलाव अभी भी बाकी हैं, और ये बदलाव देश के युवाओं को, आपको ही करने हैं। लोकतंत्र का एक सबसे बड़ा दुश्मन पनप रहा है और वो है– राजनीतिक वंशवाद। राजनीतिक वंशवाद देश के सामने ऐसी ही चुनौती है जिसे जड़ से उखाड़ना है। ये बात सही है कि अब केवल सरनेम के सहारे चुनाव जीतने वालों के दिन लदने लगे हैं। लेकिन राजनीति में वंशवाद का ये रोग अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। अभी भी ऐसे लोग हैं, जिनका विचार, जिनका आचार, जिनका लक्ष्य, सब कुछ अपने परिवार की राजनीति और राजनीति में अपने परिवार को बचाने का ही है।

ये राजनीतिक वंशवाद लोकतंत्र में एक नए रूप के तानाशाही के साथ ही देश पर अक्षमता का बोझ भी बढ़ावा देता है। राजनीतिक वंशवाद, Nation First के बजाय सिर्फ मैं और मेरा परिवार, इसी भावना को मज़बूत करता है। ये भारत में राजनीतिक और सामाजिक करप्शन का भी एक बहुत बड़ा कारण है। वंशवाद की वजह से आगे बढ़े लोगों को लगता है कि अगर उनकी पहले की पीढ़ियों के करप्शन का हिसाब नहीं हुआ, तो उनका भी कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। वो तो अपने घर में ही इस प्रकार के विकृत उदाहरण भी देखते हैं। इसलिए ऐसे लोगों का कानून के प्रति न सम्मान होता है न कानून का उनको डर होता है।

इस स्थिति को बदलने का जिम्मा देश की जागरुकता पर है, देश की युवा पीढ़ी पर है और राष्ट्रयाम जागृयाम वयं, इसी मंत्र को लेकर जीना है।आप राजनीति में ज्यादा से ज्यादा संख्या में आएं, बढ़चढ़कर हिस्सा लें। लेना–पाना बनने के इरादे से नहीं, कुछ कर गुजरने के इरादे से आइए। आप अपनी सोच, अपने vision को लेकर आगे बढ़ें। एक साथ मिलकर काम करें, जुटकर काम करें, डटकर काम करें। याद रखिएगा, जब तक देश का सामान्य युवा राजनीति में नहीं आएगा, वंशवाद का ये जहर इसी तरह हमारे लोकतंत्र को कमजोर करता रहेगा। इस देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए आपका राजनीति में आना जरूरी है। और ये जो लगातार हमारे युवा विभाग के द्वारा मॉक संसद के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। देश के विषयों पर युवा मित्र मिलकर चर्चा करें। देश की युवाओं को

भारत के सेंट्रल हॉल तक लाया जाए। इसके पीछे मकसद भी यही है कि देश की नयी युवा पीढ़ी को हम तैयार करें ताकि वो हमारे साथ आनेवाले दिनों में देश का नेतृत्व करने के लिए आगे आएं, आगे बढ़े। आपके सामने स्वामी विवेकानंद जैसा महान मार्गदर्शक है। उनकी प्रेरणा से आप जैसे युवा राजनीति में आएंगे, तो देश और भी मजबूत होगा।

स्वामी विवेकानंद जी युवाओं को एक और बहुत महत्वपूर्ण मंत्र देते थे। वो कहते थे– "किसी आपदा या परेशानी से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है उस आपदा से ली गई सीख।" आपने ने उसमें से क्या सीखा। हमें आपदाओं में संयम की भी जरूरत होती है, साहस की भी जरूरत होती है। आपदा हमें ये सोचने का भी अवसर देती है कि जो बिगड़ा है, हम वही दोबारा बना लें, या नए सिरे से एक नए निर्माण की नींव रखें? कई बार हम एक संकट, किसी आपदा के बाद कुछ नया सोचते हैं, और फिर देखते हैं कि उस नई सोच ने कैसे पूरा भविष्य बदल दिया। आपने भी अपने जीवन में ये महसूस किया होगा। मेरा मन करता है कि आज एक अनुभव आपके सामने जरूर रखूं। 2001 में जब गुजरात के कच्छ में भूकंप आया था, तो कुछ ही पल में सब कुछ तबाह हो गया था। पूरा कच्छ एक प्रकार से मौत की चादर ओढ़कर सो गया था, सारी इमारत जमींदोज हो चुकी थी। जो हालत थी, उसे देखकर लोग कहते थे कि अब कच्छ हमेशा हमेशा के लिए बर्बाद हो गया है। इस भूकंप के कुछ महीने बाद ही मुझे गुजरात का मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व निभाने का जिम्मेवारी आ गई। चारों तरफ गूंज यही थी कि अब तो गुजरात गया, अब तो गुजरात बर्बाद हो गया, यही सुन रहा था। हमने एक नई अप्रोच के साथ काम किया, एक नई रणनीति के साथ आगे बढ़े। हमने सिर्फ इमारतें ही फिर से नहीं बनवाईं, बल्कि ये प्रण लिया कि कच्छ को विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाएंगे। तब वहां न उतनी सड़कें थीं, न बिजली व्यवस्था ठीक थी, न ही पानी आसानी से मिलता था। हमने हर व्यवस्था सुधारी। हम सैकड़ों किलोमीटर लंबी नहरें बनाकर कच्छ तक पानी लेकर गए, पाइपलाइन से पानी ले गए। कच्छ की हालत ऐसी थी कि वहां टूरिज्म के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। उल्टा, हर साल हजारों लोग कच्छ से पलायन कर जाते थे। अब आज हालात ऐसे हैं कि बरसों पहले कच्छ छोड़कर गए लोग आज वापस लौटने लगे हैं। आज कच्छ में लाखों टूरिस्ट, रण उत्सव में आनंद लेने के लिए पहुंचते हैं। यानि आपदा में, हमने आगे बढ़ने का अवसर खोजा।

उस समय भूकंप के दौरान ही एक और बड़ा काम हुआ था, जिसकी उतनी चर्चा नहीं होती है। आजकल कोरोना के इस समय में आपलोग Disaster Management Act का जिक्र खूब सुनते होंगे। इस दौरान तमाम सरकारी आदेश, इसी एक्ट को आधार बनाकर जारी किए गए। लेकिन इस एक्ट की भी एक कहानी है, कच्छ भूकंप के साथ इसका एक रिश्ता है और मैं ये भी आपको बताऊंगा तो आपको खुशी होगी।

पहले हमारे देश में disaster management केवल कृषि विभाग, कृषि विभाग का हिस्सा रहता था उसी का काम समझा जाता था। क्योंकि हमारे यहां disaster का मतलब होता था बाढ़ या सूखा। ज्यादा पानी गिर गया तो disaster पानी कम पड़ गया तो disaster, बाढ़ वगैरह आती थी, तो खेती का मुआवजा वगैरह देना यही प्रमुखतः disaster management होता था। लेकिन कच्छ भूकंप से सबक लेते हुए, गुजरात ने 2003 में Gujarat State Disaster Management Act बनाया। तब देश में पहली बार ऐसा हुआ जब Disaster management को कृषि विभाग से निकाल करके गृह विभाग के नदकमत में दे दिया गया। बाद में केंद्र सरकार ने 2005 में गुजरात के उसी कानून से सीख लेकर पूरे देश के लिए Disaster Management Act बनाया। अब इसी एक्ट की मदद से, ताकत से देश ने महामारी के खिलाफ इतनी बड़ी लड़ाई लड़ी है। आज यही एक्ट हमारे लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक हुआ, देश को इतने बड़े संकट से उबारने में आधार बना। इतना ही नहीं, जहां कभी disaster management केवल मुआवजे और राहत सामग्री तक सीमित होता था, उसी भारत के disaster management से आज दुनिया सीख रही है।

जो समाज संकटों में भी प्रगति के रास्ते बनाना सीख लेता है, वो समाज अपना भविष्य खुद लिखता है। इसलिए आज भारत और 130 करोड़ भारतवासी अपना भविष्य और वो भी उत्तम भविष्य आज देश के नागरिक खुद गढ़ रहे हैं। आपके द्वारा किया गया हर एक प्रयास, हर एक सेवा कार्य, हर एक इनोवेशन, और हर एक ईमानदार संकल्प, भविष्य की नींव में रखा जा रहा एक मजबूत पत्थर है। आप अपने प्रयासों में सफल हों, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ मैं फिर एक बार देश भर में लाखों युवकों ने कोरोना के इस कालखंड में भी कहीं पर रुबरू में, कहीं पर वर्चुअल, इस यूथ मूवमेंट को आगे बढ़ाया, डिपार्टमेंट के लोग भी अभिनन्दन के अधिकारी हैं। इसमें हिस्सा लेनेवाले नौजवान भी अभिनन्दन के अधिकारी हैं और विजेता होने वालों को अनेक–अनेक शुभकामनाएं देने के साथ–साथ जिन बातों की उन्होंने बोला है, वे बातें समाज की जड़ों में जाएं। इसके लिए वो सफलतापूर्वक आगे बढ़ें, ऐसी मेरी अनेक–अनेक शुभकामनाएं हैं।

(युवा संसद में मोदी जी का भाषण)

कर्मयोद्धा
राम नाईक
हृदय नारायण दीक्षित
रचनावली

विमोचन

टैबलेट/स्मार्टफोन का उपहार
युवाओं के साथ योगी सरकार
जनपद अयोध्या में
छात्र-छात्राओं को टैबलेट/स्मार्टफोन
वितरण
योगी आदित्यनाथ

खेल सामग्री का वितरण
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा
मिशन रोज़गार

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91 डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2021-23
जनवरी प्रथम 2022 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 11–13 (प्रथम पाक्षिक)

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक : अरूण कान्त त्रिपाठी